E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -170 | प्रयागराज, गुरूवार 25 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले-रूसी प्लेन नाटो देशों से गुजरे तो मार गिराएं,रूस को कागजी शेर बताया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार रात यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेंलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर रूसी विमान, नाटो देशों के एयरस्पेस में घुसते हैं तो उन्हें मार गिराया जाए। उन्होंने भरोसा जताया कि यूक्रेन रूस से सारा कब्जा किया इलाका वापस ले सकता है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि यूरोप और नाटो के सहयोग से यूक्रेन युद्ध से पहले वाली सीमाएं वापस पा सकता है, क्योंकि रूस की अर्थव्यवस्था दबाव में है। उन्होंने रूस को कागज का शेर बताया। ट्रम्प ने कहा कि रूस पिछले साढ़े तीन साल से युद्ध में फंसा हुआ है, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सका। उनके मुताबिक, अगर रूस असली सैन्य ताकत होता तो यह युद्ध एक हफ्ते में खत्म हो जाना चाहिए था। ट्रम्प ने बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए अपने भाषण में यूरोपीय देशों से अपील की कि वे रूस से तेल-गैस खरीदना पूरी तरह बंद करें। उन्होंने कहा कि नाटो देश खुद ही युद्ध को फंड कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेंलेंस्की ने भी सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका से रूस पर और दबाव डालने की मांग की। ट्रम्प के

जमीन वापस लेने के बयान को गेम चेंजर भी कहा। पहले ट्रम्प कई बार कह चुके थे कि युद्ध खत्म करने के लिए यूक्रेन को कुछ जमीन छोड़नी पड़ सकती है। मंगलवार देर रात फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा है कि उन्हें ट्रम्प के यूक्रेन पर अचानक बदले रुख से हैरानी हुई है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प का यह रुख युद्ध खत्म करने में मददगार हो सकता है। उन्होंने कहा कि इससे समझ आता है कि अमेरिका युद्ध खत्म होने के बाद भी यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने को तैयार है। हालांकि, जेलेंस्की ने माना कि अभी ऐसी कोई ठोस डिटेल नहीं है। लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में और ज्यादा हथियार, एयर डिफेंस सिस्टम और ड्रोन मिलने की संभावना है। जेलेंस्की ने इंटरव्यू में कहा कि अब उनके और ट्रम्प के बीच ज्यादा बातचीत और मुलाकातें हो रही हैं, जिससे रिश्ते बेहतर हो रहे हैं। हालांकि, ट्रम्प और जेलेंस्की के रिश्ते पहले काफी तनावपूर्ण रहे हैं। इस साल फरवरी में व्हाइट हाउस में हुई बैठक के दौरान ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की जेलेंस्की के साथ बहस हुई थी। लेकिन मंगलवार को हुई मुलाकात में ट्रम्प ने जेलेंस्की को बहादुर व्यक्ति बताया। ट्रम्प ने मंगलवार रात यूएन हेडक्वार्टर में 8 इस्लामिक देशों के नेताओं के साथ बैठक की। उन्होंने दावा किया के वे गाजा में चल रही जंग को खत्म करेंगे।बैठक में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मिस्र, जॉर्डन, तुर्किये, इंडोनेशिया और पाकिस्तान के नेता शामिल हुए। बैठक खत्म होने के बाद ट्रम्प ने मीडिया से कोई बयान नहीं दिया और सिर्फ हाथ हिलाकर आगे बढ़ गए। यूएई की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बैठक में गाजा जंग को रोकने और स्थायी सीजफायर पर चर्चा हुई। साथ ही हमास की कैद में मौजूद बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई और गाजा में मानवीय संकट से निपटने को लेकर भी सहमति बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ वर्चुअल बैठक की थी। बैठक का मकसद रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के रास्ते तलाशना था।बैठक में ट्रम्प ने कहा था कि इस जंग को खत्म करने के लिए दोनों पक्षों को जमीन की अदला-बदली करनी पड़ सकती है। जेलेंस्की ने बैठक के दौरान कहा था कि पुतिन धोखा दे रहे हैं। वे यह दिखावा कर रहे हैं कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा हैं और ये कारगर नहीं हैं।

कच्छ के रण में अंबानी अडानी आमने सामने! 'ग्रीन गोल्डमाइन' में कौन मारेगा बाजी?

नई दिल्ली। एनर्जी सेक्टर में कारोबार को लेकर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लग गए हैं। देश के इन दो बड़े कारोबारियों के बीच अब कारोबार का कम्पटीशन पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक पहुंच गया है। दरअसल, गुजरात के कच्छ के रण में पाकिस्तान बॉर्डर के पास अंबानी और अडानी के बीच एक बड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। यह प्रतिस्पर्धा नए ऊर्जा कारोबार में दबदबा बनाने के लिए है। यह कारोबार कई बिलियन डॉलर का है। अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 5.5 लाख एकड़ जमीन हासिल की है। यह जमीन इतनी बड़ी है कि इसमें तीन सिंगापुर समा सकते हैं। वहीं, अडानी ग्रुप की अक्षय ऊर्जा कंपनियों के पास 4.6 लाख एकड़ जमीन है। यह जमीन रिलायंस की जमीन से सटी हुई है। दोनों ही कंपनियां इस बंजर जमीन को 'ग्रीन गोल्डमाइन' में बदल रही हैं। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि इससे भारत की ऊर्जा व्यवस्था बदल सकती है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज नई ऊर्जा में 75,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। यह निवेश सोलर पीवी मैन्युफैक्चरिंग, बैटरी सेल और इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग और

ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन में किया जा रहा है। अडानी भी इसी तरह एकीकृत सोलर पीवी मैन्युफैक्चरिंग, पवन टर्बाइन, इलेक्ट्रोलाइजर और अक्षय ऊर्जा उत्पादन में निवेश कर रहे हैं। शेयर बाजार के जानकार इस प्रतिस्पर्धा पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। बर्नस्टीन के निखिल निगानिया का कहना है कि रिलायंस मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर और हाइड्रोजन जैसे नए क्षेत्रों में आगे रहेगी। वहीं, अडानी अक्षय ऊर्जा की बिक्री, थर्मल और ट्रांसमिशन में आगे रह सकते हैं। जेफरीज के क्रिस वुड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बेचकर अडानी के शेयर खरीदे हैं। बर्नस्टीन का अनुमान है कि अगर रिलायंस की योजना सफल होती है, तो 3 मिलियन टन हाइड्रोजन से 7-8 बिलियन डॉलर का (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) हो सकता है। इसके अलावा, 55 जीडब्लू सोलर प्लस बीईएसएस (बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली) से 5-6 बिलियन डॉलर का ऍठ्ठ हो सकता है। हालांकि, इसके लिए बहुत अधिक निवेश की आवश्यकता होगी। दोनों कंपनियों के पास लगभग बराबर जमीन है। बर्नस्टीन का कहना है कि इनके बाद जिस कंपनी के पास सबसे ज्यादा जमीन है, उसके पास इन दोनों कंपनियों के मुकाबले 1/10 जमीन ही है। ट्रांसमिशन कनेक्टिविटी के मामले में अडानी ग्रुप आगे है। वहीं, रिलायंस को कम ब्याज दरों पर कर्ज मिलता है। मैन्युफैक्चरिंग में अडानी ग्रुप अभी आगे है, लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज की योजनाएं बड़ी हैं। ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन रिलायंस की इस क्षमता को देखने के लिए उत्सुक है। अक्षय ऊर्जा उत्पादन और बिक्री में अडानी आगे है। उनके पास मजबूत कनेक्टिविटी और आकर्षक पीपीएएस (बिजली खरीद समझौते) हैं। बर्नस्टीन का कहना है कि अडानी अक्षय ऊर्जा की बिक्री से ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। रिलायंस को ग्रिड से बिजली निकालने में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। ग्रीन हाइड्रोजन और डेटा सेंटर दोनों कंपनियों के लिए अनिश्चित हैं। यह ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कम होने और सरकार की अनुकूल नीतियों पर निर्भर करता है। हालांकि, रिलायंस अपनी रिफाइनरी में इसका इस्तेमाल कर सकती है। इसलिए वह आगे है क्योंकि वह पहले से ही भारत में ग्रे हाइड्रोजन का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है। डेटा सेंटर के मामले में, रिलायंस की गूगल, मेटा और टेलीकॉम कंपनियों के साथ साझेदारी उसे फायदा पहुंचाती है। वहीं थर्मल पावर और ट्रांसमिशन में अडानी काफी समय से मौजूद है। कंपनी ने डाउन-साइकिल के दौरान संकटग्रस्त थर्मल संपत्तियां खरीदीं और दोनों उपकरण आपूर्तिकर्ताओं को बुक किया।

लद्दाख में हिंसक प्रदर्शन-सोनम वांगचुक ने अनशन तोड़ा,कहा- बेवकूफी बंद करें, पूर्ण राज्य की मांग पर 15 दिन से भूख हड़ताल पर थे

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग

को लेकर लेह में बुधवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। छात्रों ने भाजपा ऑफिस में आग लगा दी। पुलिस पर पत्थरबाजी की, सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। ये छात्र सोशल आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इस बेवकूफी को बंद करें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं।' प्रदर्शनकारियों की 4 प्रमुख मांग- लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, 6वीं का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। 3 बिंदुओं से समजिये कैसे हिंसा भड़कीः-एक दिन पहले सोशल मीडिया पर प्लॉनिंगः सरकार ने मांग को लेकर कोई तत्काल प्रतिक्रिया या बातचीत के संकेत नहीं दिए थे। इसलिए मंगलवार को सोनम के समर्थकों ने योजना बनाई की लेह में हिल काउंसिल के ऑफिस के सामने जाकर प्रदर्शन करेंगे। लद्दाख के यूटी बनने के बाद से हिल काउंसिल का दफ्तर सबसे प्रमुख प्रशासनिक केंद्र है। रात में ही सोशल मीडिया चैनल्स के जरिए प्रोटेस्ट कॉल किया गया था। हजारों की तादाद में भीड़ आईः बुधवार सुबह हजारों की तादाद में भीड़ लेह के हिल काउंसिल दफ्तर के बाहर जमा होने लगी थी। इसके पहले ही लद्दाख पुलिस

हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। मांगें पूरी न करने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने आज बंद बुलाया था। जिसमें हिंसा हुई।हिंसा के बाद वांगचुक ने कहा-'यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा, कारगिल और लेह अलग लोकसभा सीट, सरकारी नौकरी में स्थानीय लोगों की भर्ती। इस मांगों को लेकर अगली बैठक दिल्ली में 6 अक्टूबर को होगी। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य और केंद्रीय सुरक्षाबलों ने बैरिकेडिंग कर दी थी। शुरू में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बहस हुई और फिर झड़प में तब्दील हो गई। पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़पः पुलिस की तरफ से भीड़ को तितर बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए। लेकिन उग्र भीड़ ने पहले पुलिस की गाड़ी को आग के हवाले कर दिया और तोड़-फोड़ शुरू कर दी।

पटना में सीडब्लूसी की मीटिंग, खड़गे-राहुल रहें मौजूद कांग्रेस अध्यक्ष बोले- बीजेपी नीतीश को बोझ मानती है

पटना। आजादी के बाद पहली बार 24 सितंबर को पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हो रही है। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कांग्रेस से सीनियर लीडर मौजूद हैं। ये मीटिंग शाम 4 बजे तक चलेगी। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, बीजेपी नीतीश कुमार को मेंटली रिटायर्ड मान चुकी है। वो उन्हें बोझ मानती है। इसके साथ ही उन्होंने बेरोजगारी, किसान, बाढ़ को लेकर एनडीए पर निशाना साधा। वोटर वेरिफिकेशन को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। तो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर प्रधानमंत्री को फेल बताते हुए कहा, पीएम के दोस्तों की वजह से आज देश संकट में है।' मीटिंग में मल्लिकार्जुन खड़गे की 7 बड़ी बातें- पीएम मोदी फेल- अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर भारत एक बेहद चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी मुसीबतें नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की नाकामी और कूटनीतिक विफलता का नतीजा है। प्रधानमंत्री जिनको 'मेरे दोस्त' बताकर ढिंढोरा पीटते हैं, वही दोस्त आज भारत को संकट में डाल रहे हैं। लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश- बिहार की ही तर्ज पर अब देशभर में लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश रची जा रही है। वोट चोरी का मतलब है- दलित, आदिवासी, पिछड़ा, अति-पिछड़ा, अल्पसंख्यक, कमजोर और गरीब के राशन की चोरी, पेंशन चोरी, दवाई चोरी, बच्चों की स्कॉलरशिप और परीक्षा की चोरी। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल- लोकतंत्र का आधार है- निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव, लेकिन आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसे लेकर कई खुलासे भी हुए हैं। ईसी उन सवालों के जवाब देने के बजाय हमसे एफिडेविट मांग रहा है। जीएसटी ने अर्थव्यवस्था बेपटरी की- 2 करोड़ नौकरियों का वादा अधूरा रहा। युवा रोजगार के बिना भटक रहे हैं। नोटबंदी और गलत जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया। 8 सालों के बाद प्रधानमंत्री जी को अपनी गलती का एहसास हुआ। अब जीएसटी में वही सुधार लाए गए जिसकी मांग कांग्रेस पार्टी पहले दिन से कर रही थी। किसानों की आय दोगुनी पर सरकार फेल- प्रधानमंत्री अपने वादे के मुताबिक किसानों की आय दोगुनी नहीं कर पाए। 2020-21 के तीन काले कानूनों की वजह से आंदोलन चला, 750 से अधिक किसान शहीद हो गए। बिहार में बेरोजगारी- बिहार में बेरोजगारी दर 15फीसदी से ऊपर है। हर साल लाखों युवा पलायन करते हैं। भर्ती घोटाले की वजह से युवा सड़कों पर आंदोलन करके पुलिस की लाठी खाते हैं। भाजपा ने नीतीश को रिटायर किया- एनडीए गठबंधन में आंतरिक कलह अब खुलकर सामने है। नीतीश कुमार को भाजपा ने मानसिक रूप से रिटायर कर दिया है। भाजपा अब उन्हें बोझ मानने लगी है।

यूपी पंचायत-विधानसभा चुनाव में नहीं होगी धांधली,यूपी में एसआईआर के जरिए होगी जांच, बूथवार हो रही मैपिंग

लखनऊ। बिहार में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के सियासी मुद्दा बनने के बीच उत्तर प्रदेश में इसको

लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के अपने हलफनामे में 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर पूरे देश में एसआईआर कराने की बात पहले ही कह चुका है। इसलिए, यूपी में भी इसकी प्रक्रियागत तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके लिए हर विधानसभा की वर्ष 2003 की स्थिति के आधार बूथ मैपिंग की जा रही है, जिससे वोटर्स तक गणना फार्म पहुंचाना आसान हो सके। यूपी में आखिरी बार एसआईआर वर्ष 2003 में 1 जनवरी को अर्हता तिथि मानकर किया गया था। 30 जून को संशोधित वोटर लिस्ट जारी की गई थी। तबसे हर साल स्पेशल समरी रिवीजन होता है। अब 22 साल बाद गहन पुनरीक्षण होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने अपनी वेबसाइट पर 2003 की वोटर लिस्ट अपलोड भी कर दी है, जिससे लोग उस समय की अपनी स्थिति देख सकें। खास बात यह है कि 2003 में प्रदेश में वोटर की संख्या 6 करोड़ से भी कम थी। अब यह संख्या ढाई गुना से भी अधिक बढ़कर 15.35 करोड़ हो चुकी है। अभियान में जोर डुप्लीकेट, अवैध, मृत वोटरों को हटाने पर होगा। उत्तर प्रदेश में आखिरी बार 2008 में विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन हुआ था। इसके चलते बहुत से क्षेत्रों का भूगोल बदल चुका है। वहीं, बूथों की स्थिति में भी बदलाव आया है। इसके चलते बूथ संख्या भी बदली है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी का कहना है कि सभी जिलों को पहले चरण में इनके ही मिलान के निर्देश दिए गए हैं।

पांच हजार मीटर दौड़ में यूपी के प्रतिमा को स्वर्ण

प्रयागराज। 36वीं नॉर्थ जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन 18 स्वर्ण पदकों के साथ उत्तर प्रदेश का दबदबा रहा।

प्रदेश के खाते में 18 स्वर्ण, 19 रजत और 13 कांस्य पदक आए। पांच हजार मीटर दौड़ में प्रदेश की प्रतिमा वर्मा को स्वर्ण और सचिन यादव को कांस्य पदक मिला। स्टेडियम में मंगलवार से

शुरू हुई चैंपियनशिप में महिला वर्ग की 5000 मीटर दौड़ में प्रतिमा वर्मा ने स्वर्ण (18:43.06 मिनट), हरियाणा की मोनी ने रजत (17:07.50 मिनट) और पंजाब की हरप्रीत कौर (19:58.40 मिनट) ने कांस्य पदक जीता। वहीं, पुरुष वर्ग में 5000 मीटर दौड़ में दिल्ली के शेखर चौधरी ने (15:37.91 मिनट) गोल्ड, उत्तराखंड के सौरभ रावत (15:37.92 मिनट) रजत और यूपी के सचिन यादव ने (15:38.08 मिनट) कांस्य पर कब्जा जमाया। प्रतापगढ़ के आशीष शर्मा ने पोल वॉल्ट में 4.50 मीटर के साथ गोल्ड पदक और मऊआइमा के मनीष मौर्या ने 4.30 मीटर के साथ सिल्वर पदक अपने नाम किया। पुरुष वर्ग की 100 मीटर दौड़ में उत्तर प्रदेश के विकास कुमार सिंह (11.07 सेकंड) ने स्वर्ण हासिल किया। पंजाब के वरुण शर्मा (11.16 सेकंड) ने रजत और हिमाचल प्रदेश के मंजीत सिंह (11.20 सेकंड) ने कांस्य जीता। महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ में चंडीगढ़ की हीरल सैनी (12.40 सेकंड) ने गोल्ड, यूपी की सोनी कुमारी (12.50 सेकंड) ने सिल्वर और जम्मू-कश्मीर की जान्हवी शर्मा (13.20 सेकंड) ने ब्रांज प्राप्त किया।महिला वर्ग की डिस्कस थ्रो में दिल्ली की अंशिका रावत ने पहला स्थान प्राप्त किया। यूपी की सुहानी सिंह दूसरे स्थान पर रहीं जबकि पंजाब की सोनम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। महिला वर्ग की अंडर-16 शॉटपुट में यूपी की एलाइस विकल को स्वर्ण, यूपी की पल्लवी सिंह को गोल्ड और उत्तराखंड की भाहार शर्मा को कांस्य पदक मिला। पुरुष वर्ग की अंडर-20 डिस्कस थ्रो में हरियाणा के वंश देसवाल को गोल्ड, यूपी के आयुष को सिल्वर और हरियाणा के

साहिल कादियन को कांस्य पदक मिला। महिला वर्ग की अंडर-20 के लॉन्ग जंप में हरियाणा की रितिका को स्वर्ण, पुरुष वर्ग की अंडर-18 के 100 मीटर दौड़ में उत्तराखंड के पंकज को स्वर्ण, पुरुष वर्ग की अंडर-18 की हाई जंप में यूपी की प्रियांशु को गोल्ड, पुरुष अंडर-16 शॉटपुट में हरियाणा के देव को गोल्ड को मिला। पुरुष अंडर-18 के डिस्कस थ्रो में चंडीगढ़ के शिवम राना, महिला अंडर-20 100 मीटर दौड़ में पंजाब की प्रीतकौर, महिला अंडर-18 डिस्कस थ्रो में दिल्ली की इशिका, पुरुष अंडर-16 के 60 मीटर दौड़ में यूपी के हरियंत पिंडवाल ने क्रमशः गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

डॉक्टरों की हड़ताल,रेजिडेंट डॉक्टर पर हमले के बाद आक्रोश,स्वरुप रानी अस्पताल में मरीजों की भर्ती रोकी

प्रयागराज। मंडल के सबसे बड़े अस्पताल स्वरूपरानी नेहरू

अस्पताल (एसआरएन) के जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर पर हमले के विरोध में डॉक्टर्स हड़ताल पर चले गए हैं। मंगलवार रात जमकर हंगामे के बाद बुधवार को भी हड़ताल जारी है। ऐसे में मरीजों, तीमारदारों के लिए बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है।एसआरएन अस्पताल में मरीजों की भर्ती पूरी तरह बंद है। जूनियर डॉक्टर कामकाज ठप कर धरने पर बैठ गए हैं। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी जारी है। वहीं बुधवार सुबह से दर्जनों मरीजों को भर्ती करने से इंकार कर लौटा दिया गया। ऐसे में मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जिस अस्पताल में 24 घंटे भीड़ रहती हैं वहां ट्रामा सेंटर गेट पर हड़ताल का बोर्ड लगा है। प्रशासन के अधिकारी डॉक्टरों को मनाने में जुटे हैं लेकिन उनका आक्रोश कम नहीं हो रहा है। डॉक्टर पर हमले का लाइव सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद से डॉक्टरों का आक्रोश और बढ़ा हुआ है। एफआईआर में देरी के आरोप गलत हैं। तहरीर मिलने के बाद केस दर्ज कर पुलिस की एक टीम आरोपियों की पहचान करने में जुट गई थी। घटना की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। डॉक्टर भी ये नहीं बता पा रहे हैं कि हमला करने वाले कौन थे और किस वजह से हमला किया। एसओजी और जार्जटाउन थाने की दो टीमें लगाई गई हैं। एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ जारी है। राजीव यादव, एसीपी कर्नलगंज- सर्जरी विभाग के डॉक्टर आदर्श ने बताया कि 22 तारीख को हमारे एक साथी डॉक्टर के साथ कुछ नकाबपोश बदमाशों ने उनके घर पर हमला किया। बदमाश पहले से ही घर के अंदर छिपे हुए थे और बाहर निकलते ही उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। घटना की शिकायत जब जॉर्ज टाउन थाने में की गई, तो हमने पुलिस को बदमाशों के नाम, पते और मोबाइल नंबर तक उपलब्ध करा दिए। इसके बावजूद दो दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सरकारी नौकरी के नाम पर 800 लोगो से ठगी,राजस्थान के जालसाजों ने इंटरव्यू के लिए बुलाकर बंधक बनाया,14 गिरफ्तार

प्रयागराज। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर राजस्थान के 800 युवाओं से लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। राजस्थान

के जालसाजों ने नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़े का ताना बाना बुन्ने के बाद युवकों को फार्म देकर भरवाया। इसके लिए 1100 रुपये लिए गए। फिर सेलेक्शन की लिस्ट जारी कर कहा गया कि इंटरव्यू प्रयागराज में होना है। जालसाजों ने प्रयागराज के यमुनापार के नैनी इलाके के चुना। यहां होटल और ग्रेस्ट हाउस बुक किया। इसके बाद राजस्थान से आने वाले युवकों को वहां ले गए। इंटरव्यू के नाम पर हर अभ्यर्थी से 26 हजार रुपये जमा कराए जाने लगे। उनका वीडियो बना लिया गया। रजिस्टर पर साइन कराए। कई और दस्तावेजों पर साइन कराकर एक एक युवक से 26 हजार रुपये वसूले जाने लगे। कई युवकों ने बिना ज्वाइनिंग के रुपये देने से इंकार किया तो उनसे बदसलूकी गई। बुधवार को शक होने पर एक युवक ने प्रयागराज पुलिस से शिकायत कर दी। इसके बाद कई थानों की फोर्स ने नैनी एडीए कालोनी के आशीर्वाद गेस्ट हाउस में छापेमारी की। यहां चल रहे फर्जीवाड़े से पुलिस के भी होश उड़ गए। पुलिस ने 15 जालसाजों को गिररफ्तार कर नौकरी के आए 25 युवकों को वहां से निकाला। एक तरह से इन युवकों को इंटरव्यू के लिए बुलाकर बंधक बना लिया गया था। पूछताछ में एक दो और गेस्ट हाउस में युवकों को ठहराने की बात सामने आई है। पुलिस टीमें छापेमारी कर रही हैं। सभी जालसाज राजस्थान के रहने वाले हैं। सरकारी नौकरी के नाम पर बड़े पैमाने पर फ्राड की पूरी कहानी वहीं रची गई। रुपये वसूली के लिए प्रयागराज चुना गया।

जीव पालने के लिए लाइसेंस जरूरी,सालाना शुल्क रु745 नहीं तो जब्त होगा जीव

प्रयागराज। शहर में पालतू जानवर पालने वालों को अब और सजग रहना होगा। प्रयागराज म्यूसिपल कॉरपोरेशन ने कुत्तों और बिल्लियों का लाइसेंस अनिवार्य कर दिया है।निगम की टीमें 100 वार्डों में घर-घर जाकर पालतू जानवरों की जानकारी जुटा रही हैं और लाइसेंस जारी कर रही हैं। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। पहले जुर्माना, फिर जानवर की जब्ती और आखिर में मालिक के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज की जाएगी। नगर निगम के पशु चिकित्सा विभाग ने इस अभियान की शुरुआत प्रदेश सरकार की उस गाइडलाइन के तहत की है। जिसमें पालतू जानवरों का लाइसेंस जरूरी किया गया है। यह पहल खासकर इसलिए अहम है हाल के वर्षों में कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शहरी विकास विभाग ने इसके लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर यानी एसपीओ जारी किया था।पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि पालतू पशु का वार्षिक लाइसेंस शुल्क 745 रुपये है। इसकी वैधता हर साल 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगी। अब तक 1120 लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं, जो 31 मार्च 2026 तक मान्य होंगे।

स्वच्छता ही सेवा के तहत मनाया जा रहा स्वच्छता पखवारा,26 से 02 अक्टूबर तक 156 घंटे चलेगा महा सफाई अभियानःईओ नगर पालिका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद रायबरेली स्वर्ण सिंह ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त निकायो में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा/स्वच्छता पखवारा मनाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत नगर पालिका परिषद् रायबरेली द्वारा 16 सितम्बर में स्वच्छता का शपथ, 17 सितम्बर में मा0 प्रभारी मंत्री रायबरेली राकेश सचान जी की उपस्थिति में स्वच्छता हेतु श्रमदान कार्यक्रम का शुभारम्भ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क सुपर मार्किट रायबरेली से किया गया एवं वार्ड के मा0 सभासदगणों के साथ बृहद स्तर पर स्वच्छता श्रमदान घंटाघर चौराहे से प्रारम्भ कर कैपरगंज होते हुये शहीद लाल चन्द्र स्वर्णकार चौक तक किया गया। इस दौरान शहीदों की प्रतिमा की धुलाई कर माल्यार्पण का कार्य भी किया गया।ईओ नगर पालिका ने बताया कि इसी तरह सई नदी राजघाट पर प्लग रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही शहर के विभिन्न स्थलों पर स्वच्छता का शपथ कराते हुये स्वच्छता लक्षित इकाई (सीटीयू) विलोपन का कार्य कराया गया तथा मंदिरों की सफाई, पार्को की सफाई, सार्वजनिक स्थलों की सफाई व सीटीयू विलोपन का कार्य लगातार कराया गया। उन्होंने बताया कि अगले कार्य दिवसों में 23 से 26 सितम्बर 2025 तक सफाई मित्र स्वच्छता शिविर का आयोजन, रंगोली कार्यक्रम का आयोजन एवं 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक 156 घण्टे का महा सफाई अभियान चलाया जाना है जो 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जयन्ती के अवसर पर वृहद स्तर पर चलाते हुये स्वच्छता अभियान का समापन किया जायेगा।

बकायेदारों की भूमि की नीलामी 06 अक्टूबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय देय के बकायेदार संतराम पाल पुत्र स्व0 उदयराज निवासी लक्ष्मणगंज बाजार मजरे लोधवारी एवं आई0वी0एस0 सप्लायर ए 03 कंस्ट्रक्शन मीना सिंह पत्नी रणविजय सिंह व इन्द्रेश सिंह निवासी पूरे मेदनी लाल मजरे कण्डौरा परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 06 अक्टूबर 2025 को समय प्रातः 10ः00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्ते संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में माँ चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना विधिवत सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में नवरात्रि के तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना विधिवत सम्पन्न की गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ पूजा में भाग लिया। पूजा के उपरांत संस्थान में एक विशेष टॉक शो का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर की सितार वादक एवं गायिका श्रद्धा मिश्रा ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया। कार्यक्रम में श्रद्धा मिश्रा ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को कला और शिक्षा के समन्वय पर प्रेरणादायी विचार दिए। उन्होंने बताया कि मेहनत, लगन और अनुशासन से कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। विद्यार्थियों ने उनसे संगीत एवं करियर से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर उन्होंने सहज और प्रेरक ढंग से दिया। संस्थान के प्राचार्य ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को नए विचार और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। पूजा एवं टॉक शो के साथ कार्यक्रम का समापन माँ चंद्रघंटा के जयकारों से हुआ।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत पोषण किट वितरण का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत जेसीआई एल्युमिनी क्लब रायबरेली द्वारा 'करुणा कार्यक्रम-पोषण किट वितरण' का सफल आयोजन बेला भेला उत्तरपारा, रायबरेली में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य टी.बी. मरीजों को उचित पोषण एवं संबल प्रदान करना है। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चन्द्र ने स्वयं मरीजों को पोषण किट वितरित की साथ ही निरूक्षय मित्रों को सम्मानित किया गया, इस सराहनीय पहल के लिए जेसीआई एल्युमिनी क्लब का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर 37 टी.बी. मरीजों को पोषण किट वितरित की गई। प्रोग्राम ऑफिसर जेसी अनुराग मिश्रा ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं मरीजों का आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष जेसी सुशील कुमार सिंह ने कहा कि 'मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। करुणा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह ऐसी भावना है जो हमें दूसरों के दर्द को समझने और उन्हें कम करने की प्रेरणा देती है।' उन्होंने बताया कि क्लब केवल सेवा कार्यक्रम ही नहीं करता, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु लगातार कार्यरत है। संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, रक्तदान, सिविल सेवा तथा आगामी 'बॉडी एवं ऑर्गन डोनेशन जागरूकता अभियान' जैसे प्रयास निरंतर जारी हैं। 'करुणा कार्यक्रम' के माध्यम से जेसीआई एल्युमिनी क्लब ने यह संदेश दिया कि समाज की सेवा ही संगठन का वास्तविक ध्येय है। कार्यक्रम का संचालन अलंकार शर्मा जी एवं जेसी सर्वेश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर इस अवसर पर डॉ. राकेश यादव, डॉ. शम्स रिजवान, डॉ. अरुण, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डी.एस. अस्थाना, जिला पब्लिक प्राइवेट समन्वय मनीष श्रीवास्तव, एसटीएस अलंकार शर्मा, के के श्रीवास्तव, एसटीएलएस अखिलेश त्रिवेदी दीपू पटेल, एवं मेडिकल स्टाफ एवं मरीज के साथ ही क्लब की ओर से जेसी राजेश शर्मा, जेसी राकेश चांदनी, जेसी अभिषेक गोयल, जेसी सर्वेश श्रीवास्तव, जेसी संजय श्रीवास्तव, जेसी अनुराग मिश्रा (प्रोग्राम ऑफिसर), जेसी गौरव जैन (सचिव) एवं जेसी सुशील कुमार सिंह (अध्यक्ष) सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रवर्तन अभियान जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर के आदेशानुसार एवं आबकारी आयुक्त महोदय द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिले में व्यापक कार्यवाही की गई। जिला आबकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 की टीम ने थाना भदोखर अंतर्गत ग्राम भेड़न का पुरवा, नक फुल्हा में अवैध कच्ची शराब बनाने वाले अड्डों व संदिग्ध घरों पर दबिश दी। इसी क्रम में क्षेत्र-5 की टीम ने तहसील डलमऊ के थाना गदागंज क्षेत्र के ग्राम पम्पापुर में दबिश देकर कार्यवाही की। दबिश के दौरान कुल 54 लीटर अवैध कच्ची शराब तथा लगभग 450 किलो महुआ से निर्मित लहन बरामद किया गया। लहन को मौके पर नष्ट करते हुए कुल 04 अभियोग आबकारी अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत पंजीकृत किए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण व बिक्री को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे अराजक तत्वों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

कृषक समृद्धि आयोग सदस्य कुलजीत सिंह ने जिले का किया दौरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 सदस्य कृषक समृद्धि आयोग कुलजीत सिंह ने जिले का दौरा किया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में कृषि, पशुपालन, भूमि संरक्षण व उद्यान विभाग आदि

के क्रम में उन्होंने सबसे पहले सुल्तानपुर रोड स्थित दाऊद नगर में आरएसटीआई सेंटर का निरीक्षण किया। केंद्र में संचालित कक्षाओं का अवलोकन कर कृषि स्वावलंबन योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कृषि स्नातकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिया। आयोग सदस्य ने राजकीय बीज भंडार केंद्र लालगंज का निरीक्षण भी किया। यहां पर उन्होंने की किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और उनके निस्तारण का निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिया। इस अवसर पर उनके द्वारा दो किसानों को तोरिया मिनीकिट का पैकेट वितरित किया गया। इसके उपरांत उन्होंने साधन सहकारी समिति सतांव का निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने खाद की उपलब्धता और मांग के अनुपात में वितरण के तहत अभिलेखों का परीक्षण किया, किसानों से वार्ता की, उनके सुझाव लिए और निर्देश दिया कि किसानों को मानक के अनुसार ही खाद का वितरण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को हर हाल में समय पर खाद उपलब्ध

अधिक मूल्य लिया जा रहा है तो उस पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।लालगंज के सामुदायिक केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लिया हिस्सा, जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी,कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह ने लालगंज के सामुदायिक केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। यहां पर उपस्थित लोगों से संवाद स्थापित करते हुए फीडबैक भी लिया। कहा कि सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ग के लिए कई प्रकार की स्वास्थ्य सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहुत सी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर सुविधाओं की गुणवत्ता भी परखी। गो आश्रय स्थल कान्हा उपवन लालगंज का किया निरीक्षण- कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह ने गोवंश आश्रय स्थल कान्हा उपवन चांदा लालगंज का स्थलीय निरीक्षण

स्टॉक, पशुओं की टैगिंग,चिकित्सा व प्रकाश की व्यवस्था देखी। निरीक्षण के समय गौशाला में कुल 265 गोवंश थे तथा भूसा भण्डार गृह में पर्याप्त मात्रा में चोकर व पशु आहार उपलब्ध पाया गया। उन्होंने गौशाला परिसर में साफ-सफाई पर संतोषजनक व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिया कि गोवंशो की समय-समय पर चिकित्सकीय जांच भी कराई जाए। यदि कोई गोवंश संक्रमित पाया जाता है तो उसको अलग कर उसका उचित उपचार कराया जाए। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक विनोद कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कुलदीप द्विवेदी, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पांडे, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी जगदीश प्रसाद यादव,एलडीए रूपेश दुबे, सहित संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

बेल्टन ने 5 वर्ष की वारंटी के साथ 5-स्टार रेटेड 'बॉस' वॉशिंग मशीन श्रृंखला की भव्य लॉन्चिंग की

बेल्टन ने 5 स्टार रेटिंग वाले वॉशिंग मशीन के 6 मॉडल किए लांच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बेल्टन ने मार्केट में फाइव स्टार रेटिंग वाले बॉस नामक फोकस किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 40 साल से बेल्टन ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने की वाले उत्पाद पेश करके उपभोक्ताओं के जीवन में खुशियां ला रहा है। इस नवीनतम के साथ, ब्रांड ऐसे

वॉशिंग मशीन की रेंज लांच की। बेल्टन ने इस नए प्रोडक्ट में कस्टमर्स को पांच साल की वारंटी के साथ बेहतरीन सुविधा का भरोसा दिया गया है। बॉस नामक वॉशिंग मशीन का लांच मिसरोड के ज़िओन बैंक्वेट में किया गया था। इस अवसर पर एमडी सुनील भाटिया, उनके पिता जी विजय भाटिया व बेटी पलक भाटिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सुनील भाटिया जी ने यह भी कहा अब नई पीढ़ी काम को संभाल रही है। कंपनी के एमडी सुनील भाटिया ने बताया कि यह प्रोडक्ट भारत सरकार के पर्यावरण अनुकूल व ऊर्जा बचत मानदंडों के मुताबिक है। बेल्टन कंपनी द्वारा डिज़ाइन किए गए हर उपकरण में सटीकता, गुणवत्ता व रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने पर दिशा में काम कर रहा है, जो बेहतर टेक्नोलॉजी के साथ कस्टमर्स को संतुष्टि देते है व उनकी जिंदगी में खुशियां लाने को काम करते हैं। लगभग 3 दशकों से भारत के सबसे विश्वसनीय ब्रांड में से एक बेल्टन ने आज भारत के पहले बॉस नामक वाशिंग मशीन के 6 मॉडल को लांच किए है। यह नई रेंज बेजोड़ मानसिक शांति के साथ आती है 5 साल की वारंटी प्रदान करती है। बेल्टन के नवाचार तकनीक तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन को बेहतर बनाने व खरीदारों के लिए स्थाई मूल्य बनाने के बारे में है। यह वॉशिंग मशीन बिजली की लागत में बचत करते हुए सर्वोत्तम प्रदर्शन करते है। पिछले 40 वर्षों से बेल्टन गुणवता व विश्वसनीयता के मिश्रण उपकरण बनाने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है जो न केवल भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं। बल्कि उनसे भी बढ़कर है। विश्वास, गुणवत्ता व स्थायित्व पर आधारित विरासत के साथ बेल्टन अपनी नवीनतम नवाचार के साथ घरेलू उपकरण जैसे गीजर व कूलर के क्षेत्र में अपने नेतृत्व की पुष्टि करता है। भारत भर के घरों में खुशी, आराम व दक्षता लाने की ब्रांड की यात्रा में एक और मील का पत्थर है। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की कई कूलर की विभिन्न श्रृंखला स्टाइल व कार्यक्षमता का संगम है। सुनील भाटिया ने कहा कि इंडस्ट्रियल कूलर के नई रेंज भी हमारे पास है। जो ग्राहकों के अनुरूप होगी

कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर में पराली प्रबन्धन गोष्ठी एवं रबी तिलहन गोष्ठी कार्यशाला/कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 25 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के अनुमोदनोपरान्त प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्रॉप रेज्डयू योजना एवं नेशनल मिशन ऑन एडविल ऑयल ऑगलसीड योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय पराली कार्यशाला/कृषक जागरूकता कार्यक्रम किसानों को नवीनतम कृषि तकनीक एवं उसके लाभ के बारे में प्रबन्धन एवं रबी तिलहन गोष्ठी, जागरूकता पैदा करने, उनका ज्ञानबर्द्धन करने के सिद्धान्त पर उनके दृष्टिकोण में परिवर्तन लाकर नई कृषि तकनीक को अपनाने हेतु प्रेरित करने, साथ ही किसानों के साथ अपने अनुभवों को बाटने, विशेषज्ञों से मार्ग दर्शन प्राप्त कराने, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषकोपयोगी योजनाओं एवं देय सुविधाओं की जानकारी कराने तथा कृषि निवेशों की उपलब्धता सुलभ कराने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर रायबरेली के प्रांगण में जनपद स्तरीय पराली प्रबन्धन गोष्ठी एवं रबी तिलहन गोष्ठी कार्यशाला/कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 25 सितम्बर 2025 को किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उक्त कार्यक्रम में आप अपना विभागीय स्टाल लगाकर किसानो को विभागीय कार्यक्रम/योजनाओं की जानकारी स्वय उपस्थित होकर देना सुनिश्चित करें।

नोएडा स्टेडियम की श्री सनातन धर्म रामलीला मे दशानन की तपस्या का मनमोहक मंचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वाधान में नोएडा स्टेडियम, सैक्टर 21ए, नोएडा में होने वाली प्रभु राम की लीला मंचन का पूजा अर्चना कर रामलीला का शुभारंभ जनपद- सिद्धार्थ नगर के शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा जी ने किया। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के महासचिव संजय बाली ने बताया कि आज की रामलीला मंचन में रावण जन्म, रावण तपस्या, रावण वेदवती, रावण द्वारा कैलाश पर्वत को उठाना, शिवजी का प्रसन्न होकर चंद्रहास देना, रावण वेदवती संवाद, वेदवती की प्रतिज्ञा, नलकुबेर का श्राप, मातृ पितृ भक्त श्रवण लीला दिखाई गई, रावण के बचपन में किस प्रकार रावण आहत होता है, तपस्या में ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त करता है, कैसे रावण अहंकार से ग्रसित होकर रम्भा के साथ दुराचार करता है और नलकुबेर से श्रापित होता है, हरि भक्तिन वेदवती के साथ दुर्व्यहार के कारण वेदवती रावण की मृत्यु का कारण होने की प्रतिज्ञा लेती है रावण के रूप में अमित शर्मा, रंभा के रूप में सुहानी, वेदवती के रूप में सोनम ने दृश्यों में पात्रों को जीवंत अभिनय किया। मातृ पितृ भक्त श्रवण के करुण भक्ति की लीला का मंचन हुआ, किस प्रकार राजा दशरथ के बाण से श्रवण कुमार का मरण होता है, पुत्र मृत्यु की वेदों में किस प्रकार श्रवण के माता पिता शरीर त्याग देते हैं, दशरथ के रूप में हिमांशु एवं श्रवण के रूप में संभव के करुण अभिनय ने मंचन को जीवित कर दिया। रामलीला मंचन के द्वितीय दिवस के अवसर पर सुशील भारद्वाज, रमेश कुमार, एसकेएस राणा, अनुज गुप्ता, मित्रा शर्मा, विनय वर्मा, प्रदीप अग्रवाल, विनय शर्मा, प्रदीप कटारिया, अनिल गुप्ता, पवनदीप सिंह, चितरंजन कुमार, तुषार गोयल, कुलभूषण बाली, डा. एस. पी. जैन, विनीत मेहता, रामकुमार शर्मा, चन्द्रपाल सिंह, प्रमोद रंगा, राधाकृष्ण गर्ग, राजेश सिंह, सुन्दर सिंह राणा, प्रताप मेहता समेत हजारो की काफी संख्या में उपस्थित रहें।

रामलीला के दूसरे दिन राम जन्म से अयोध्या मे खुशी की लहर।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि नवाब सिंह नागर पूर्व मंत्री, महेश चौहान जिलाध्यक्ष बीजेपी, जयभगवान गोयल अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, यूनाइटेड हिन्दू फ्रंट, संजय गुप्ता सीएमडी रामाज्ञा, रविकांत मिश्रा वरिष्ठ मंत्री बीजेपी, अजय बाटला चेयरमैन बाटला एस्टेट, गोपाल कृष्ण अग्रवाल राष्ट्रीय प्रवक्ता बीजेपी, दीपक अग्रवाल, अनंत प्रकाश वर्मा, राजेश माथुर, विनय अग्रवाल, जितेंद्र सिंघल, महेश सक्सेना, राजीव अजमानी, मनोज गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर लीला का शुभारंभ किया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। प्रथम दृश्य में रावण और अन्य राक्षसों के अत्याचार से कराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक्त करने के हेतु देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रृंगी ऋषि द्वारा शुभ पुत्र कामेष्ठि यज्ञ करवाना। यज्ञ कुंड से अग्नि देवता का प्रकट होकर खीर प्रदान करना। राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर प्रदान करना और खीर खाकर तीनों रानियों का गर्भवती होने की लीला हुई। भगवान राम के साथ तीनों भाईयों के जन्म लेते ही राजा दशरथ और रानी कौशल्या बड़े ही उत्साहित थे। अयोध्या में चारों ओर बधाई गान गाए

गए। कौशल्या जायो लल्ला, अवध में मचो हल्ला, अवध में जनमे रघराई, कौशल्या रानी दे दो बधाई। बाल स्वरूप भगवान राम से मिलने भगवान शिव जी योगी का भेष बनाकर आते हैं और इसके बाद चारों भाइयों का नाम करण गुरू वशिष्ठ द्वारा किया जाता है। तत्पश्चात भगवान राम,लक्ष्मण,भरत, शत्रुघन गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा दीक्षा के प्रस्थान करते हैं।भगवान राम की बाल लीला का मंचन देख दर्शक मंत्र मुग्ध हो जाते हैं। अगले दृश्य में विश्वामित्र का राजा दशरथ के दरबार में आगमन होता है और वह अपने यज्ञ की राक्षशों से रक्षा के लिए श्री राम और लक्ष्मण जी को साथ ले जाने के लिए कहते हैं। वशिष्ठ जी के समझाने पर दशरथ जी राम लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेज देते हैं। रास्ते में जाते समय विश्वामित्र भगवान राम को राक्षसी ताड़का, मारीच और सुबाहु को दिखाते हैं। ताड़का, मारीच एवं सुबाहु विश्वामित्र जी, श्री राम जी व लक्ष्मण जी के पर आक्रमण कर देते है ।भगवान राम धनुष उठाकर सुबाहु और तड़का का वध कर देते हैं और मारीच को दूर दक्षिण किनारे समुद्र में फेंक देते हैं। भगवान की आरती के साथ दूसरे दिन की रामलीला का समापन होता है। । अध्यक्ष धर्मपाल गोयल जी ने बताया कि कल 5 अक्टूबर को ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में जनक दूत का आगमन, पुष्प वाटिका में राम सीता साक्षात्कार एवं गौरी पूजन आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, मनोज शर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया, चक्रपाणि गोयल, राजेश माथुर, सुधीर पोरवाल, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, दीपक अग्रवाल, दयानंद तिवारी सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

सपा नेता आज़म खाँ की रिहाई पर सपा नोएडा महानगर में जश्न का माहौल, असत्य पर हुई सत्य की जीतःडाक्टर आश्रय गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी के खिलाकर खुशियाँ मनाई इस अवसर पर सपा महानगर अध्यक्ष पालिका पर और अत्यधिक विश्वास पैदा करती है,हमे पूरा विश्वास है

संस्थापक सदस्य और पूर्व लोकसभा सदस्य आजम खाँ साहब की 23 महीने बाद जेल से हुई रिहाई की ख़ुशी में सपा कार्यकर्ताओं और नेताओ ने सपा के वरिष्ठ नेता कुँवर बिलाल बर्नी के यहाँ एक दूसरे को मिठाई डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा की मोहम्मद आज़म खाँ की रिहाई नवरात्रो के शुभ अवसर पर होना असत्य पर हुई सत्य की जीत , इस मोके सपा नेता पर कुँवर बिलाल बर्नी ने कहा की आजम ख़ाँ साहब की रिहाई देश की न्याय भविष्य में आजम ख़ाँ साहब सभी मुकदमों निर्दोष साबित होंगे इस अवसर पर सपा नेता नूरउल हसन , परवीन डेढ़ा , रोहित ,सुदेश भाटी ,ज्ञानी कुमार ,नीटु शर्मा , पवन चौधरी , आदि समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

राम हमारे आदर्श पुरुष है, राम ने एक बड़ा त्याग कर पिता की आज्ञा का पालन कियाः हरिश्चंद्र भाटी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक एक ऐसा मंच है जिसमें पूरा परिवार एक साथ बैठकर रामलीला गोल्ड , वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन , पूनम सिंह, अध्यक्ष

लीला कमेटी सेक्टर 46 के द्वारा मंगलवार को रामलीला के दूसरे दिनरामलीला के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व राज्य मंत्री हरिश्चंद्र भाटी ने कहा कि राम हमारे आदर्श पुरुष है, राम का बड़ा त्याग था, जब उसने पिता की आज्ञा का पालन किया और 12 साल जंगलों में रहकर जीवन व्यतीत किया, साथ ही उन्होंने कहा कि - सुग्रीव, विभीषण को न्याय दिलाया तथा बाली को मूर्छित कर लंकेश्वर के साथ नीतिगत लड़ाई लड़ी, जिसमें उसने सत्य की जीत प्राप्त किया। साथही मर्यादा का पालन करते हुए माता सीता के लंका से लौटने के बाद आदर्श परीक्षा लेते हुए अग्नि परीक्षा लिया। राम की लीला से सब लोग भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा रामलीला देख सकता है। रामलीला के दूसरे दिन रामलीला संयोजक पंडित कृष्ण स्वामी ने बताया कि रामलीला का शुभारंभ गणेश पूजन के साथ हुआ। इतना ही नहीं मंगलवार को रामलीला में साधुओं का समूह गान, मारीच-सुबाहु दरबार, साधुओं को प्रताड़ित करना, विष्णु अवतार की घोषणा,श्री राम जन्म , वशिष्ट जी द्वारा नामकरण, बाल लीला, विश्वामित्र आगमन, ताड़का वध ,सुबाहु वध, मारीच वध की लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर रामलीला के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आए हुए सभी अतिथियों और रामलीला देखने आए रामलीला के दर्शकों का स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल सीएम डी प्रिया विपिन अग्रवाल , महासचिव गिर्राज अग्रवाल,कोषाध्यक्ष सीए मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता , गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव , अशोक गोयल, विकास बंसल , संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा सुशील गुप्ता, पीयूष द्विवेदी, शरद कुमार सिन्हा, अभिषेक जैन, डॉ कपिल सिंघल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, गौरव मित्तल, पवन अग्रवाल, नवीन सोनी, सौरभ अग्रवाल, बिमलेन्दु कुमार, सुनील जैन, गौरव छावड़ा, श्रीधर गोयनका, राम अवतार सिंह, अखिल जैन, विजय अग्रवाल, अरुण गोयल, विकास जैन, दीपांशु अग्रवाल आदि मौजूद थे।

विश्वेश्वर्या कैंपस की छात्राओं को दीक्षांत समारोह में मिला पदक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा- दादरी स्थित विश्वेश्वर्या ग्रुप ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्राओं को चौधरी चरण सिंह एवं माता गृहिणी है। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली तनस्वी दीप कृषि विज्ञानं के अध्ययन से प्राप्त ज्ञान को कृषि के समग्र विकास में योगदान सफलता के लिए सभी छात्रों को धन्यवाद दिया तथा कहा कि कॉलेज कम फीस में उत्कृस्ट शिक्षा के लिए वचनबद्ध है, ताकि छोटे छोटे शहरो,

विश्वविद्यालय की बी एस सी आनर्स कृषि विज्ञानं में प्रथम दो स्थान प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में चौधरी चरण सिंह स्मिर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सर्वोच्च स्थान प्राप्त छात्राओं को उत्तरप्रदेश की राज्यपाल मति आनंदी बेन पटेल एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केसव प्रसाद मौर्या के द्वारा पदक, प्रसस्ति पत्र और पुरस्कार राशि प्रदान किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कामिनी किसानो की मदद के लिए कृषि विज्ञानं पढ़ने का निर्णय लिया। कामिनी एग्रीकल्चर फील्ड ऑफिसर बनकर कृषि से सम्वन्धित समस्याओं का समाधान करना चाहती हैं। कामिनी के पिता कपूर सिंह यू पी पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद से रिटायर्ड हुए हैं देकर करना चाहती है। तनस्वी दीप के पिता इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। विस्वविद्यालय में तीसरा स्थान भी संस्थान के छात्र सुजीत कुमार ने प्राप्त किया है। तीनो सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों ने अपनी सर्वोच्च सफलता कि लिए विश्वेश्वर्या कॉलेज में कम फी में रिसर्च बेस्ड एजुकेशन एवं अनुभवी कृषि वैज्ञानिको द्वारा निरंतर कार्य शाला के आयोजन को बताया। सभी तीन सर्वोच्च स्थान पर वी आई ई टी के छात्रों का उत्कृस्ट प्रदर्शन कॉलेज कैंपस के सफलता के कहानी अपने आप में कहने के लिए काफी है। परीक्षा परिणाम छात्रों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा का भी प्रकटीकरण है क़ि सभी टॉपर्स के बिच परसेंटेज पॉइंट का ही अंतर है। संस्थान के सचिव सुनील जिंदल ने इस स्वर्णिम गावों एवं कस्बों के छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने सपनो को साकार कर सके। इस उल्लेखनीय सफलता के लिए संस्थान की सीईओ डॉ. पूर्णिमा शर्मा ने छात्रों को धन्यवाद दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कृषि वैज्ञानिक प्रोफेसर धनपाल ने संसथान में रिसर्च बेस्ड शिक्षा, प्रैक्टिकल ज्ञान एवं निरंतर आई एआर आई के कृषि वैज्ञानिको के दवारा विशेष कार्य साला का आयोजन किया जाता है, जिसमे छात्र विशेष अभिरुचि लेते है। कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष इब्राहिम चौहान ने छात्रों की सफलता को उनकी कडी मिहनत एवं सभी फैकल्टीज का विशेष सहयोग को आधार बताया साथ ही भविस्य में भी इसी तरह के परिणाम दुहराने के बात कही।

ड्रोन से मेला क्षेत्र की निगरानी, मां शारदा धाम में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। शारदेय नवरात्रि के दौरान की जा रही है। ड्रोन की मदद से भीड़ के दबाव वाले क्षेत्रों की रियल

मां शारदा धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ पर कड़ी नजर रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने हाईटेक व्यवस्था की है। मेला क्षेत्र और मंदिर मार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके। इसके अलावा पैदल गश्त, सीसीटीवी कैमरे, और पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती भी की गई है।

गरपालिका अध्यक्ष ने टोल टैक्स कर्मचारियों के खिलाफ जताई नाराजगी,ब्यौहारी टोल प्लाजा पर कर्मचारियों की दबंगई, फ्री वाहनों से भी वसूल रहे थे टैक्स

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। हारी टोल प्लाजा पर रविवार नगर परिषद ब्यौहारी के यक्ष और भाजपा नेता राजन का टोल कर्मचारियों के साथ बाद देखने को मिला। विवाद वजह फ्री गाड़ियों से टोल स की वसूली थी। सूत्रों के सार, जब राजन गुप्ता टोल जा से गुजर रहे थे, तो कई नों से जिनकी टोल छूट थी, चारियों ने टोल टैक्स लेने का न्स किया। इस पर नेता जी क गए और कर्मचारियों को चित तरीके से टोल लेने के आड़े हाथों लिया। विवाद के दौरान राजन गुप्ता लाईवे पर ही कुर्सी रखकर ला दे दिया। कर्मचारियों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन अध्यक्ष अपनी जिद पर अड़े रहे। इस हाईवोल्टेज ड्रामे का पूरा वीडियो कैमरे में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राजन गुप्ता ने बताया कि टोल प्लाजा पर 40 गाड़ियों को अनुमति प्राप्त है, बावजूद इसके फ्री वाहनों बाहनों से टोल लिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद कर्मचारियों से बातचीत में बाद-विवाद हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं को देखते हुए उन्होंने वहीं बैठकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। राजन गुप्ता की सक्रियता और जनता के अधिकारों के प्रति उनके रुख ने इस घटना को सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना दिया है। वीडियो में आवाज मेरी नहीं: नपाध्यक्ष नगरपालिका अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वीडियो में जो गालियां और आवाज दिखाई जा रही है. यह उनकी नहीं है। इसके संबंध में वह संबंधित थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे। टोल प्लाजा की कार्यप्रणाली पर सवाल इस घटना ने टोल कर्मचारियों और उच्च अधिकारियों के बीच कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग भी इस विवाद को देख हैरान हैं और टोल प्लाजा पर फ्री गाड़ियों से वसूली की प्रक्रिया में सुधार की मांग कर रहे हैं।

शिक्षक ने किया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पर हमला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सीतापुर। जिला बेसिक शिक्षा पहुंचकर शिक्षक किसी बात पर उग्र हो गया और अपनी बेल्ट निकाल

अधिकारी सीतापुर अखिलेश प्रताप सिंह ने एक शिक्षक बृजेंद्र कुमार वर्मा जो की महमूदाबाद ब्लॉक में तैनात हैं को उन पर की गई शिकायतों के स्पष्टीकरण के लिए अपने कार्यालय में बुलाया था ,वहां कर अधिकारी पर हमला करने लगा। इसे देखकर सभी कर्मचारियों ने उन्हें पकड़ा और विधिक कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया एक शिक्षक के द्वारा इस प्रकार की घटना बेहद ही नींदनीय है।

लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित,आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 06 नवम्बर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी, रायबरेली/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र हर्षिता माथुर ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लखनऊ खण्ड स्नातक एवं लखनऊ खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने के कारण अर्हता 01 नवम्बर 2025 के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का अ-हदन्द पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार गतिविधियां, अवधि/दिनांक निर्धारित की गयी है। जिसके अनुसार सार्वजनिक नोटिस जारी किया जाना की तिथि 30 सितम्बर 2025 (मंगलवार) निर्धारित की गयी है। समाचार पत्रों में नोटिस का पुनर्प्रकाशन 15 अक्टूबर 2025 (बुधवार) को। समाचार पत्रों में नोटिस का द्वितीय पुनर्प्रकाशन 25 अक्टूबर 2025 (शनिवार) को। फार्म-18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि, जैसी स्थिति हो 06 नवम्बर 2025 (गुरुवार)। आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का मुद्रण किया जाना 20 नवम्बर 2025 (गुरुवार)। निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 25 नवम्बर 2025 (मंगलवार)। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 25 नवम्बर 2025 (मंगलवार) से 10 दिसम्बर 2025 (बुधवार)। दावे और आपत्तियों का निस्तारण 25 दिसम्बर 2025 (गुरुवार)। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसम्बर 2025 (मंगलवार) को निर्धारित की गयी है।

भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र में पत्रकार वार्ता कर जीएसटी बचत उत्सव के संबंध में पत्रकारों से बातचीत की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित जीएसटी सुधारों के ऐतिहासिक निर्णय के क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र में पत्रकार वार्ता कर जीएसटी बचत उत्सव के संबंध में पत्रकारों से बातचीत की। मंत्री जी ने कहा कि जीएसटी दरों का युक्तिसंगत, सरलीकरण, आर्थिक ढांचे को सशक्त बनाएगा और आने वाली पीढ़ी को अधिक पारदर्शी, सरल और विकासोन्मुख व्यवस्था प्रदान करेगा। इन सुधारों से उद्योगों को नई ऊर्जा मिलेगी, उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में कमी आएगी और सरकार के राजस्व में भी सकारात्मक वृद्धि होगी। यह कदम भारत की अर्थव्यवस्था को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में सहायक होगा। और आगे कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस देश की जनता के अटूट स्नेह और अपार समर्थन से इस देश की बागडोर संभाली। पहले दिन से ही उन्होंने प्रधानसेवक के रूप में 140 करोड़ भारतीयों की समृद्धि और खुशहाली के लिए बिना थके एक भी दिन बिना छुट्टी लिए समर्पित भाव से निरन्तर काम किया है। इस देश को अपना परिवार मानते हुए उन्होंने परिवार के मुखिया के रूप में सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास सिर्फ नहीं ये नारा ये है उद्देश्य हमारा धरातल पर साकार करके दिखाया है। जीएसटी सुधारों का ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम है। यह प्रधानमंत्री की तरफ से देशवासियों को दीवाली का सुनहरा उपहार है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता जी, उपाध्यक्ष अनुसूचित आयोग जीत सिंह खरवार, जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी आदि मौजूद रहे।

दी गयी एप्लिकेशन, परन्तु कोई कार्यवाही नहीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। थाना प्रभारी को दी गयी एप्लिकेशन, परन्तु कोई कार्यवाही नहीं किये जाने पर दिनांक-21.08.2025 को न्यायालय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सोनभद्र के यहां मुकदमा नं0-367/2025 धारा-173 (4) बीएनएसएस प्रस्तुत कर के मुकदमा दर्ज कराने का आवेदन प्रस्तुत की आवेदन की प्रति आख्या हेतु थानाध्यक्ष बभनी के पास न्यायालय से भेजा गया, इसके पश्चात् दिनांक-24.08.2025 को प्रार्थिनी को थानाध्यक्ष कमलेश पाल बभनी थाने में बुलवाये, एक पहले से तैयार किये गये प्रार्थना पत्र पर हस्ताक्षर करवाये प्रार्थिनी ने प्रार्थना पत्र को पढ़ने के लिये मांगी तो प्रार्थिनी को गन्दी गन्दी गाली दिये और बाहर बैठने के लिये बोले, सायं 04:00-05:00 बजे प्रार्थिनी को थाने के दिवान में कागज देते हुये बोले कि तुम्हारा मुकदमा दर्ज हो गया है, अब कोर्ट कचहरी मत जाना प्रार्थिनी जब स्वयं पढ़ी और गाँव में लोगो से पढ़वाई तो पता चला कि जो घटना घटी है, उसे बदल कर अपने मन का मुकदमा आरोपियों को बचाने के लिये लिख लिये है। प्रार्थिनी की लड़की नाबालिग है, उसे प्रदीप के घर से बुलाये और डाक्टरी मुआईना करवाने म्योरपुर भेजे प्रार्थिनी भी साथ में गयी, वहा भी प्रार्थिनी का अंगुठा जबरन महिला सिपाही से लगवाया गया है। प्रार्थिनी की नाबालिग लड़की दुर्गावती के हाईस्कुल का प्रमाण पत्र है, जिसमें जन्मतिथि 01.01.2008 है। प्रदीप गुप्ता प्रार्थिनी की नाबालिग लड़की से शादी कर चुका है। प्रदीप के मित्र इन्स्ट्राग्राम सोशल मीडिया पर दोनों के शादी का फोटो बनाई देते हुये पोस्ट किये है। प्रार्थिमी की नाबालिग लड़की को अभियुक्तगण अपने प्रभाव में लिये है, और स्वयं को बचाने के लिये जबरन बयान न्यायालय में बदलवाने के लिये डराये धमकाये है, मेडिकल के लिये दुर्गावती जा रही थी, तो पुलिस की गाड़ी में रो-रो कर बताई है। दुर्गावती सिन्दुर पहनी थी, और उसके साथ शारीरिक सम्बन्ध भी प्रदीप गुप्ता ने बनाया है। प्रार्थिनी की नाबालिग लड़की के साथ जबरदस्ती किया गया है। थानाध्यक्ष बभनी कमलेश पाल आरोपियों से मिल कर न्यायालय की 173(4) बीएनएसएस की प्रति प्राप्त होने के बाद तहरीर बदल कर मुकदमा दर्ज किया है। प्रार्थिनी अनुसूचित जाति की गोड़ है। कमलेश पाल उच्च वर्ग के है, इसलिये जातिगत भेद-भाव कर रहे है।

बड़े हर्षों उल्लास के साथ मनाया गया आज़म खा़न के रिहाई का जश्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के शिक्षा की अलख जगाने वाले आज़म खा़न साहब को न्यायालय द्वारा रिहाई दिए जाने पर न्यायालय का धन्यवाद किया और सत्यमेव जयते कहा वही अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव मुनीर आलम ने बताया कि आज़म खान साहब पर फर्जी मुकदमे कर कई सालों तक उनका उत्पीड़न किया गया वही लगभग 2 साल बाद आज़म खा़न की रिहाई पर पूरे प्रदेश में जश्न मनाया जा रहा है वहीं प्रदेश में उनके जेल से बाहर आने से सभी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर और एक अलग जोश और नई ऊर्जा है जिसमें अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष फारुख जिलानी व आरिफ़ खान नजमुद्दीन अली विनीत सरोज पियूष यादव सुशील राय गुलाम यासीन तफ़जील अहमद सैय्यद सुहैल तारिक खान दानिश जाफरी साकिब खान अनस खान नेहाल अहमद आदि लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नेता पूर्व जिला महासचिव हिदायत खान के अपने आवास पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर उनके जेल से बाहर की खुशी में एक दूसरे को मिठाई खिला कर जश्न मनाया गया वही सभी लोगों ने उनके सेहत के लिए दुआ मांगी। हिदायत उल्ला खान ने बताया कि सत्य परेशान हो सकता है किन्तु पराजित नहीं

आदिवासी क्षेत्र की समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक एवं आदिवासी विकास मंच के बैनर तले जिला मुख्यालय पर इंटक के जिलाध्यक्ष हरदेवनारायण तिवारी के नेतृत्व में लगभग बीस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी से मुलाकात की और आदिवासी क्षेत्र की चार प्रमुख समस्याओं को लेकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत बेलछ में टेढ़ुआ नाला पर केरवा बांध निर्माण की मांग की गई। इस बांध के निर्माण से तीन ग्राम पंचायतों – मकरी बारी, रुदौली और बेलछ – में लगभग 25,000 लोगों की और 25,000 बीघा जमीन की सिंचाई संभव होगी।

प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि पिछले 10 वर्षों से इस मांग को लेकर आवाज उठाई जा रही है, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। दूसरी समस्या ग्राम पंचायत जुगैल टोला बड़काडाड़ की है, जहाँ 18 आदिवासियों की जमीन गलत तरीके से अन्य के नाम पर पट्टा कर दी गई है। इस संबंध में कई पत्र जिला प्रशासन, कमिश्नर विंध्याचल मंडल और मुख्यमंत्री को भेजे गए, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। तीसरी समस्या जोगी डीह रेलवे स्टेशन पर ओवर ब्रिज निर्माण से संबंधित है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि स्टेशन के दोनों तरफ पक्की सड़क का निर्माण आवश्यक है, तभी ओवर ब्रिज बन सकेगा। पूर्व में इस संबंध में रेल विभाग ने भी पत्र भेजा था। 17 सितंबर 2025 को इसी क्षेत्र में एक युवक की ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, जिससे सुरक्षा की समस्या गंभीर हो गई है। चौथी मांग ग्राम पंचायत बैरपुर स्थित खुलदिल रेलवे स्टेशन से जुड़ी है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कोरोना काल से बंद की गई कटनी-चोपन पैसेंजर ट्रेन का पुनः संचालन और वाराणसी-शक्ति नगर इंटरसिटी ट्रेन का खुलदिल स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित किया जाए, जिससे आदिवासी क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इंटक जिला अध्यक्ष हरदेवनारायण तिवारी ने कहा कि यदि एक माह के अंदर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे बड़े आंदोलन का ऐलान करेंगे। इस अवसर पर महामंत्री समीम अख्तर खान, राजा राम भारती, हरिशंकर गौड़, गुलाब सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति विशेष अभियान 5.0 में किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मिशन शक्ति विशेष अभियान 5.0 और सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24.09 .2025 को मा वैष्णो माडल पब्लिक विद्यालय एवम बारेले मंदिर पर जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें सभी हेल्पलाइन नंबर्स 181 ,108 ,1090 ,1098 ,118 , 112 गुड टच बेड टच , पोस्को एक्ट बाल शोषण से बचाव जैसी सेवाओं से अवगत कराया गया इसके अतिरिक्त दहेज प्रतिषेध अधिनियम बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, विभिन्न कानूनी और विभागीय योजनाओं की जानकारी जैसे कन्या सुमंगला योजना बाल सेवा योजना समस्त विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई ।कार्यक्रम में प्रधानाचार्य विद्यालय समस्त अध्यापिका, अध्यापक,हब फॉर एंपावरमेंट से जिलामिशन कोऑर्डिनेटर नीतू यति, जेन्डर स्पेशलिस्ट सीमा द्विवेदि, जेंडर विशेषज्ञ साधना मिश्रा महिला थाना प्रभारी श्रीमती सविता सरोज महिला सिपाही विद्यालय के बालक एवं बालिका आदि उपस्थित रहे इन सभी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को जागरुक कर उन्हें योजनाओं और कानून की जानकारी देना तथा समाज में महिला सशक्तिकरण को सुदृढ़ बनाना है।

समाजशास्त्र की छात्राओं ने गांव में किया भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विंध्य कन्या महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं द्वारा ग्रामीण महिला श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति पर आधारित एक सामाजिक सर्वेक्षण किया गया सर्वेक्षण के दौरान छात्राओं ने श्रमिक महिलाओ से उनकी आर्थिक सामाजिक गतिविधियों व उनकी दिनचर्या, कार्यस्थलों पर उनको होने वाली समस्याएं, मजदूरी,कार्यदशाओं एवं विभिन्न योजनाओं से मिलने वाले लाभ आदि की जानकारी प्राप्त करके समस्त सूचनाओं को छात्राओं ने संग्रहित किया। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख डॉ0 गीता सरस्वती, कीर्ति पाण्डेय, और सर्वेक्षण करने वाली छात्राएं अंशु, नाजिया, साजिया, अंजलि, रुकसार मौसम उपस्थित रही।

अपराधियों को कैसे सिखाएं सबक दिए टिप्सःसविता

सोनभद्र। मिशन शक्ति विशेष अभियान 5.0 और सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को मा वैष्णो माडल पब्लिक विद्यालय एवम बरेले मंदिर पर जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें सभी हेल्पलाइन नंबर्स 181 ,108 ,1090 ,1098 ,118 , 112 गुड टच बेड टच , पोस्को एक्ट बाल शोषण से बचाव जैसी सेवाओं से अवगत कराया गया इसके अतिरिक्त दहेज प्रतिषेध अधिनियम बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम,जैसे कन्या सुमंगला योजना बाल सेवा योजना समस्त विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई ।कार्यक्रम में प्रधानाचार्य विद्यालय समस्त अध्यापिका, अध्यापक,हब फॉर एंपावरमेंट से जिलामिशन कोऑर्डिनेटर नीतू यति, जेन्डर स्पेशलिस्ट सीमा द्विवेदि, जेंडर विशेषज्ञ साधना मिश्रा महिला थाना प्रभारी सविता सरोज महिला सिपाही विद्यालय के बालक एवं बालिका आदि उपस्थित रहे इन सभी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों को जागरुक कर उन्हें योजनाओं और कानून की जानकारी देना तथा समाज में महिला सशक्तिकरण को सुदृढ़ बनाना है।

25-25 हजार के दो इनामिया बदमाश हुए गिरफ्तार,पुलिस की कार्रवाई में दोनों को लगी गोली, असला कारतूस बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर चल रहे अभियान के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि चुर्क रेलवे स्टेशन के उत्तरी छोर पर रेलवे पटरी के पास बदमाश किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना पर सीओ सिटी रणधीर मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी की। तभी पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। वहीं पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में मध्य प्रदेश के वीर सिंह (27) निवासी सागर व आजाद सिंह (35) निवासी कटनी के पैर में गोली लग गई। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को दबोच लिया और जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। दोनों बदमाश 27-28 अगस्त को रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र में हुई चोरी की घटना में वांछित थे। इनके ऊपर पुलिस अधीक्षक ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। बदमाशों के पास से दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस व दो जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक माधव सिंह, एसओजी प्रभारी राजेश चौबे, चौकी प्रभारी चुर्क विनोद यादव, चौकी प्रभारी नई बाजार ओमप्रकाश नारायण सिंह, चौकी प्रभारी काशी राम आवास आशुतोष सिंह समेत पुलिस बल शामिल रहा।

श्री राम जन्म की लीला का हुआ सजीव मंचन, भक्त हुए भाव विभोर,रामलीला के तीसरे दिन श्री राम जन्म लीला का हुआ मंचन, जमकर हुई आतिशबाजियां

मिठाई का हुआ वितरण, लुटाए गए खिलौने, दर्शकों से भरा रहा रामलीला मैदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्री रामलीला समिति सोनभद्र नगर के तत्वाधान में आयोजित रामलीला के तीसरे दिन चारों भाइयों सहित भगवान श्रीराम जी के जन्म का सजीव मंचन देखने आए दर्शकों ने नृत्य एवं गीत के साथ खुशियां मनाई। जमकर आतिश बाजियां हुई और खिलौने मिठाई का वितरण किया गया।बतादें कि नगर स्थित श्री रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला के तीसरे दिन चक्रवर्ती सम्राट अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के द्वारा पुत्र प्राप्ति हेतु यज्ञ का आयोजन, श्री राम भरत शत्रुघ्न एवं लक्ष्मण चारों भाइयों का जन्म, जन्म के जश्न में प्रजा द्वारा खुशियां एवं नृत्य, राम भरत शत्रुघ्न तथा लक्ष्मण का नामकरण संस्कार की लीला का सजीव मंचन रामचरितमानस मंडली प्रयागराज के कुशल कलाकारों द्वारा किया गया। इसके पूर्व गणेश वंदना के साथ लीला की शुरूआत की गई थी। वही समिति के संरक्षक जितेंद्र सिंह द्वारा रामलीला के तीसरे दिन से प्रत्येक दिन की लीला की सूची क्रमशः पढ़कर दर्शकों को बताया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष पवन कुमार जैन, राकेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, आनंद मिश्रा,विजय कनोडिया, धर्मवीर तिवारी, धर्मराज जैन, कृष्ण मुरारी गुप्ता, रामप्रसाद यादव, चंदन, केसरी, प्रशांत जैन, उमेश केसरी, चंद्र कुमार केजरीवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्टूडेंट फॉर वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के तहत संत कीनाराम महाविद्यालय में संगोष्ठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज दिनांक 24/09/2025 को स्टूडेंट फॉर वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के तहत संत कीनाराम महाविद्यालय राबर्ट्सगंज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राबर्ट् सगंज विधानसभा के माननीय विधायक श्री भूपेश चौबे जी की उपस्थित रहे श्री भूपेश चौबे जी ने बताया कि युवा छात्र शक्ति इस देश के भविष्य है और एक राष्ट्र एक चुनाव होने छात्र हित में होने वाला है एक राष्ट्र एक चुनाव से सिर्फ युवा ही नहीं अपितु सारे समाज के एक एक व्यक्ति को इसका लाभ होगा और उन्होंने बताया कि एक साथ चुनाव होने से देश की आर्थिक स्थिति पर बहुत बड़ा बदलाव आएगा वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गोपाल सिंह ने बताया कि कि हमारे समाज की नौकरी करने वाले लोगों में बार-बार चुनाव होने के कारण कभी-कभी ऐसा होता है कि वह वोट नहीं डाल पाए समय के कारण जब एक ही साथ चुनाव होगा सभी लोगों डालने आएंगे और वोट डालने आएंगे तो वोट प्रतिशत में वृद्धि होगी वहीं श्री शंभू नारायण सिंह ने बताया कि एक साथ चुनाव होने से छात्र एवं राष्ट्रहित दोनों संभव है जिससे समाज में जो दुष्ट प्रभाव है वह समाप्त हो जाएगा इस अभियान के जिला संयोजक व छात्र संघ के अध्यक्ष कुंवर चतुर्वेदी ने बताया कि यदि देश में एक साथ चुनाव होने से छात्र हित व राष्ट्रहित में होगा इस देश 4 बार चुनाव होते है जिसके वजह हमारे प्रोफेसर ही चुनाव में मजिस्ट्रेड बनाए जाते है जिससे छात्रों की पढ़ाई में बहुत सी कठिनाइयां होती है और छात्रों को बहुत सी परेशानियां उठानी पड़ती हैं देश में एक साथ एक चुनाव होंगे तो छात्र ही नहीं अपितु पूरे राष्ट्र को फायदा होने वाला है इस मौके पर इस अभियान के जिला सहसंयोजक अजीत खरवार जी सौरभ चौबे जी विकास मिश्रा जी अनूप त्रिपाठी जी गौरव शुक्ला जी राजेश चौबे जी विमलेश पटेल जी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

ब्लाक परिसर मे क्षेत्र पंचायत की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर/सोनभद्र। म्योरपुर क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक सभागार में सम्पन्न हुई, जिसकी कार्यवाही एडिओ पंचायत अजय कुमार सिंह ने पढ़कर सुनाई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने विभागीय जानकारियां दीं।बैठक के दौरान विद्युत विभाग के जेई का सदस्यों ने बहिष्कार कर उनकी बात सुनने से इंकार कर दिया। सदस्यों ने आरोप लगाया कि कुंडडीह सहित कई जगहों पर जर्जर पोल आज तक नहीं बदले गए, जबकि अवगत कराने के बावजूद विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की।स्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक ने स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी, वहीं शिक्षा विभाग के अधिकारी ने शिक्षा व्यवस्था से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की।मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (समाज कल्याण विभाग) संजय गोंड़ ने कहा कि क्षेत्र पंचायत की बैठक साल में दो बार होती है और इसमें सदस्यों की समस्याएं अवश्य सुनी जाती हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद देश और 2017 के बाद उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है। उन्होंने विद्युत विभाग पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि अधिकारी फोन नहीं उठाते हैं तो यह अस्वीकार्य है। जेई से साफ कहा कि फोन उठाना जरूरी है और 24 घंटे के भीतर ट्रांसफार्मर बदलना अनिवार्य है। साथ ही दशहरा और नवरात्रि की शुभकामनाएं भी दीं। विशिष्ट अतिथि दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री (एससीएसटी आयोग) जीत सिंह खरवार ने कहा कि समस्याएं जरूर हैं लेकिन उनका समाधान खोजने की नीयत भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि 2014 के बाद से शौचालय व आवास जैसी मूलभूत योजनाएं आमजन तक पहुंची हैं। शिक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने सरकारी स्कूलों को मॉडल स्कूल बनाने का कार्य किया है। ब्लॉक प्रमुख मान सिंह गोंड ने कहा कि सरकार की योजनाएं तेजी से जनता तक पहुंच रही हैं। जो कार्य समय से नहीं हो पाए हैं, उनके लिए नया टेंडर निकाला जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि यदि बिजली विभाग या कही भी जनप्रतिनिधियों की अनदेखी हुई तो कड़ी प्रतिक्रिया होगी। स्कूलों में शिक्षक अनुपस्थित पाए जाने पर भी प्रमुख स्तर से सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि अब तक 102 कार्यों की अनुमति मिल चुकी है और किसी सदस्य का कार्य अधूरा नहीं रहेगा।बैठक में खण्ड विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा भी मौजूद रहे। संचालन एडिओ पंचायत अजय कुमार सिंह ने किया।इस अवसर पर राम विचार गोंड जरहा, देव नारायण खरवार, प्रधान संघ अध्यक्ष प्रेमचंद यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

बाहर के कपड़े पहनकर सीधा बेड पर? न करें ये गलती, घर आते ही पहले बदलें कपड़े, डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें ये क्यों जरूरी

नयी दिल्ली। दिनभर की थकान के बाद घर लौटते ही

पहला ख्याल यह आता है कि बिस्तर मिले और लेट जाएं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिन कपड़ों को पहनकर आप ऑफिस, बाजार या मेट्रो से गुजरते हैं, वही कपड़े सीधे आपके बिस्तर पर पहुंच जाएं तो क्या होगा? कई लोग इसे बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करते और मानते हैं कि बाहर के कपड़े

गंदगी और कीटाणु लेकर आते हैं, जो नींद और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं कुछ लोग कहते हैं कि यह बिल्कुल सामान्य बात है। इससे कोई खतरा नहीं है। समझते हैं सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या सच में बाहर के कपड़े इतने गंदे होते हैं? जवाब- हां, बाहर पहने गए कपड़े घर के मुकाबले ज्यादा गंदे हो सकते हैं। जब आप सड़कों, ऑफिस, बाजार या पब्लिक प्लेस से होकर गुजरते हैं तो आपके कपड़े धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं जो हमें नंगी आंखों से नहीं दिखते हैं। इंटरनेशनल लेवल पर हाइजीन से जुड़े काम देखने वाली संस्था ने घ्ग्ग्ए छोटे से प्रयोग में पाया गया कि साफ पायजामे की तुलना में बाहर पहने गए जिम कपड़ों या ऑफिस के कपड़ों पर ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं। यानी, साफ दिखने के बावजूद कपड़ों पर गंदगी मौजूद रहती है। सवाल- बाहर के कपड़ों में कौन-कौन से कीटाणु या गंदगी बिस्तर तक पहुंच सकती है? जवाब- बाहर बहुत सारी गंदगी हवा में उड़ती रहती है, जो हमारे कपड़ों में चिक जाती है। साथ ही पब्लिक प्लेस पर बहुत सारे लोग आते जाते रहते हैं। उनके संपर्क में आने से उनके बैक्टीरिया भी हमारे संपर्क में आ सकते हैं। जैसे मेट्रो स्टेशन के लिफ्ट की स्विच, नल का टैप, ऑफिस के दरवाजे का हैंडल आदि।

बाहर के कपड़े मुख्य रूप से तीन तरह के संक्रमण या गंदगी ला सकते हैं। सवाल- क्या इससे एलर्जी या स्किन प्रॉब्लम हो सकती है?जवाब- हां, बाहर के कपड़े पहनकर बिस्तर पर जाने से एलर्जी या त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जिन लोगों को धूल या परागकण से एलर्जी है, उनके लिए यह समस्या और बढ़ सकती है। बैक्टीरिया और पसीने के कारण कपड़े स्किन पर रैशेज, खुजली या फंगल इंफेक्शन तक पैदा कर सकते हैं। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए यह और ज्यादा परेशान करने वाला होता है। हालांकि, सामान्य रूप से स्वस्थ लोगों के लिए यह खतरा बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन समय के साथ यह असहजता और स्किन प्रॉब्लम्स बढ़ा सकता है। सवाल- किन लोगों को सबसे ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- हर किसी को सफाई का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह और भी जरूरी है। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- बाहर से लौटकर तुरंत कपड़े बदलना क्यों जरूरी है? जवाब- बाहर के कपड़े बदलने से आप धूल, बैक्टीरिया और एलर्जन को अपने बिस्तर और सोफे तक पहुंचने से रोकते हैं। इससे बिस्तर ज्यादा समय तक साफ और ताजा बना रहता है।मानसिक सुकून भी मिलता है क्योंकि आपको लगता है कि आप एक साफ माहौल में आराम कर रहे हैं। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि साफ कपड़ों में सोने से नींद की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है। सवाल- क्या कभी-कभी झपकी लेने के लिए बाहर के कपड़ों में बिस्तर पर जाना गलत है?जवाब- नहीं इससे बिस्तर जल्दी गंदा होगा और एलर्जी का खतरा बढ़ सकता है। मानसिक रूप से भी साफ कपड़ों में लेटना

ज्यादा आरामदायक महसूस होता है। सवाल- घर और बिस्तर को साफ-सुथरा रखने के लिए कौन-सी बेसिक हाइजीन अपनानी चाहिए? जवाब- घर और बिस्तर को साफ-सुथरा रखने के लिए कुछ बेसिक हाइजीन का ख्याल रखना जरूरी है। सवाल- रोजमर्रा के कपड़े जैसे चादर-ब्लैंकेट कितनी बार धोना चाहिए ताकि संक्रमण से बचा जा सके? जवाब- रोजमर्रा के कपड़े 2-3 बार पहनने के बाद धोने चाहिए। जिम या पसीने वाले कपड़े हर बार धोना जरूरी है। चादर और तकिये का कवर हफ्ते में कम से कम एक बार धोना चाहिए। अगर घर में एलर्जी वाले लोग हैं तो हफ्ते में दो बार भी धो सकते हैं। कंबल और रजाई जैसे कपड़ों की क्लीनिंग सीजन में कम से कम दो से तीन बार होनी चाहिए।

क्या आपको बहुत ज्यादा जम्हाई आती है:हो सकता है इन 7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

नयी दिल्ली। जम्हाई लेना हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह अक्सर थकान, नींद या बोरियत की वजह से होती है। लेकिन अगर लगातार और बिना

किसी वजह के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो यह हार्ट डिजीज से लेकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर तक किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना तो सामान्य है। लेकिन अगर नियमित रूप से बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि कुछ आसान उपायों से इससे राहत मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, जम्हाई आराम की भावना से जुड़ी होती है। इसे लंबे समय से बोरियत का संकेत माना जाता रहा है। यह संक्रामक भी है क्योंकि जम्हाई के बारे में देखने, सुनने, पढ़ने या यहां तक कि सोचने से भी जम्हाई आ सकती है। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से। सवाल जवाब के माध्यम से- सवालः जम्हाई क्या है? जवाब- जम्हाई वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपना मुंह चौड़ा खोलकर गहरी सांस अंदर लेता हैं और फिर छोड़ता है। यह ज्यादातर अनजाने में होती है यानी इसे रोकना मुश्किल होता है। अंग्रेजी में इसे ऑसीटेशन कहा जाता है। एक जम्हाई लगभग 4-7 सेकेंड तक चलती है और इसमें गले, मुंह और चेहरे की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह अक्सर थकान, नींद या ऊब के कारण होती है। सवाल- उबासी या जम्हाई आने के क्या कारण हैं? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं, जो अक्सर शरीर और ब्रेन की जरूरतों से जुड़े होते हैं। नींद की कमी- जब पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो शरीर थकान महसूस करता है। इस थकान को दूर करने और शरीर को जगाए रखने के लिए उबासी आती है। मानसिक थकान या बोरियत- जब आप किसी नीरस काम में लगे होते हैं या दिमाग थक जाता है तो उबासी आ सकती है। यह दिमाग को फिर से एक्टिव करने का एक तरीका हो सकता है।ऑक्सीजन की कमी- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने पर भी उबासी आती है ताकि फेफड़ों में ज्यादा हवा भरी जा सके और ब्रेन तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंच सके। संक्रामक उबासी- किसी दूसरे व्यक्ति को उबासी लेते हुए देखने या सुनने पर हमें भी उबासी आ सकती है। यह सामाजिक व्यवहार का एक हिस्सा माना जाता है। कुछ दवाओं के कारण- कुछ खास दवाएं जैसे कि डिप्रेशन या दर्द की दवाएं भी उबासी का कारण बन सकती हैं।

सवाल- बहुत ज्यादा जम्हाई किन स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकती है? जवाब- भले ही जम्हाई आने के सबसे आम कारण थकान, सुस्ती या बोरियत हों। लेकिन यह कुछ अंदरूनी समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। ऑक्सीजन की कमी- फेफड़ों से जुड़ी बीमारी या स्लीप एप्निया जैसी स्थितियां शरीर में ऑक्सीजन के लेवल को कम कर सकती हैं, जिससे ज्यादा ऑक्सीजन लेने के लिए बार-बार जम्हाई आती है। आयरन की कमी- शरीर में आयरन की कमी होने पर खून में ऑक्सीजन का संचार ठीक से नहीं हो पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए शरीर ज्यादा जम्हाई लेता है। मेटाबॉलिक या लिवर प्रॉब्लम्स- लिवर फेलियर या मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी भी ज्यादा थकान और जम्हाई का कारण बन सकती है। हार्ट संबंधी समस्याएं- कुछ मामलों में बहुत ज्यादा जम्हाई का संबंध हार्ट डिजीज से हो सकता है। यह वेगस नर्व के उत्तेजित होने के कारण हो सकता है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर- मिर्गी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस या ब्रेन ट्यूमर जैसे न्यूरोलॉजिकल

डिसऑर्डर भी ब्रेन के संकेतों को प्रभावित कर सकती हैं। इससे जम्हाई की प्रक्रिया असामान्य हो जाती है। स्लीप डिसऑर्डर-स्लीप एप्निया के कारण भी बार-बार जम्हाई आ सकती है क्योंकि शरीर को अनिद्रा या दिन के दौरान अचानक आने वाली नींद से जूझना पड़ता है। मेंटल हेल्थ इशू- एंग्जाइटी या स्ट्रेस भी बार-बार जम्हाई का कारण बन सकते हैं क्योंकि शरीर भावनात्मक तनाव पर प्रतिक्रिया करता है। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- अगर जम्हाई के साथ कुछ अन्य लक्षण भी हों तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। जैसेकि- सीने में दर्द, चक्कर आना या सांस लेने में दिक्कत होना। कमजोरी, सुन्नता या अचानक संतुलन खोना। धुंधला दिखना, कन्फ्यूजन या बोलने में लड़खड़ाहट होना। गंभीर सिरदर्द या बेहोश होना। सवाल- कौन सी चीजें जम्हाई को ट्रिगर कर सकती हैं? जवाब- थकान, भूख, तनाव और किसी को जम्हाई लेते देखना, ये सभी जम्हाई को ट्रिगर करते हैं। सवाल- जम्हाई लेते वक्त कभी-कभी आंखों से पानी क्यों निकलता है? जवाब- जम्हाई के दौरान चेहरे की मांसपेशियां जोर से खिंचती हैं। जब ये मांसपेशियां खिंचती हैं तो आंखों के पास मौजूद आंसू की ग्रंथियों पर दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण ग्रंथियों से आंसू निकलने लगते हैं। सवाल- अगर जम्हाई ज्यादा आती है तो इससे राहत पाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- अगर बिना किसी खास कारण के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो कुछ आसान उपायों से इसे कम कर सकते हैं।सवाल- एक दिन में कितनी बार जम्हाई लेना सामान्य है? जवाब- आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति दिन में 5 से 10 बार जम्हाई लेता है, जिसे सामान्य माना जाता है। हालांकि यह संख्या हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। यह समय, थकान, नींद की पर निर्भर है। अगर दिन में 15 मिनट के अंदर 3 से ज्यादा बार जम्हाई आती है या यह इतनी ज्यादा है कि रोजमर्रा के काम में रुकावट आने लगे तो इसे असामान्य माना जा सकता है।

अबरार-हसरंगा ने सेलिब्रेशन कॉपी करके एक-दूजे को चिढ़ाया,रिव्यू गंवाकर अपने बॉलर पर भड़के पाकिस्तानी कप्तान, बाउंसर से फखर का हेलमेट टूटा,मोमेंट्स-

अबू धाबी। एशिया कप में मंगलवार को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सुपर-4 मैच खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने 5 विकेट

से जीता। इस लो-स्कोरिंग मैच में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद और श्रीलंकाई ऑलराउंडर के बीच जमकर तकरार देखने को मिली। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा रिव्यू गंवाने के बाद अपने ही गेंदबाज पर भड़क गए। इन सब के बीच दुष्मंथा चमीरा की बाउंसर फखर जमान के हेलमेट पर लगी। इससे उनका हेलमेट टूट गया और उन्हें हेलमेट बदलना पड़ा। ऐसे ही कुछ टॉप मोमेंट्स ने अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को और रोचक बना दिया। एक रिकॉर्ड-श्रीलंकाई बैटर दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 14 बार शून्य पर आउट होने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने रवांडा के केविन इराकोज (13 बार) का रिकॉर्ड तोड़ा। 1. कुसल मेंडिस पहली बॉल पर पवेलियन लौटे- अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। टॉस हारकर बैटिंग कर रही श्रीलंकाई टीम ने पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। उसके ओपनर कुसल मेंडिस अपनी पहली बॉल पर पवेलियन लौट गए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने तलत हुसैन के हाथों कैच कराया। कुसल ने शाहीन की फुलर लेंथ बॉल को फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन टाइमिंग सही नहीं होने के कारण बॉल सीधा मिडविकेट पर खड़े तलत हुसन के पास चली गई। कुसल मेंडिस अपना खाता भी नहीं खोल सके। 2. तलत हुसैन को लगातार 2 बॉल पर विकेट- श्रीलंकाई पारी का 8वां ओवर डाल रहे तलत हुसैन ने लगातार दो बॉल पर विकेट हासिल किए। उन्होंने दूसरी बॉल पर चरिथ असलंका को हारिस रऊफ के हाथों कैच कराया। असलंका 20 रन बनाकर आउट हुए। तीसरी बॉल पर दसुन शनाका को विकेटकीपर मोहम्मद हारिस के हाथों कैच कराया। शनाका अपना खाता तक नहीं खोल सके। तलत हुसैन अपना पहला ओवर डाल रहे थे। उन्होंने महज 4 रन खर्च किए। 3. अबरार ने हसरंगा को उन्हीं के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया-13वें ओवर की पहली बॉल पर अबरार अहमद ने वानिंदू हसरंगा को क्लीन बोल्ड कर दिया। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी स्पिनर ने हसरंगा को उन्हें के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया। वे अपने दोनों हाथों के कंधे के पास ले गए और मुट्?ठी बांधकर हिलाते हुए सेलिब्रेट किया। जैसे कि हसरंगा अपने विकेट सेलिब्रेट करते हैं। यहां पर श्रीलंकाई टीम ने छठा विकेट गंवाया। हसरंगा 15 रन बनाकर आउट हुए। 4. रिव्यू गंवाने के बाद अबरार पर भड़के सलमान- पाकिस्तानियों ने 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर चमिका करुणारत्ने के खिलाफ एलबीडब्लू की अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नकार दिया। अबरार अहमद के जोर देने के कप्तान सलमान आगा ने रिव्यू मांगा। रिप्ले देखने से पता चला कि बॉल न तो बल्लेबाज के बैट से लगी और न ही पैड से। वीडियो में दिखा की बॉल करुणारत्ने के हाथ से लगकर उछली थी। ऐसे में पाकिस्तान को विकेट तो नहीं मिला, टीम ने एक रिव्यू जरूर गंवा दिया। ऐसे में कप्तान सलमान अबरार अहमद पर भड़क गए। 5. कमिंडू मेंडिस फिफ्टी बनाकर आउट- 19वें ओवर में कमिंडू मेंडिस ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने शाहीन शाह अफरीदी के ओवर की तीसरी बॉल पर दो रन लिया और तीसरी फिफ्टी पूरी की। अगली ही बॉल पर शाहन अफरीदी ने उन्हें एलबीडब्लू कर लिया। इस बॉल पर फील्ड अंपायर ने पाकिस्तानियों की अपील खारिज कर दी थी, लेकिन कप्तान सलमान ने रिव्यू लिया और कमिंडू एलबीडब्लू हो गए। 6. फखर जमान के हेलमेट पर लगी चमीरा की बाउंसर- पाकिस्तानी पारी के दूसरे ओवर में दुष्मंथा चमीरा की शॉर्ट लेंथ बॉल फखर जमान के हेलमेट पर ली। हालांकि, उन्हें कोई चोट नहीं आई। आईसीसी के प्रोटो कॉल के तहत फिजियो मैदान पर आए और फखर जमान का मेडिकल ऑब्जरवेशन भी किया। बॉल की स्पीड का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि फखर को अपना हेलमेट बदलना पड़ा। 7. हसरंगा ने एक हाथ से डाइविंग कैच पकड़ा-पावरप्ले का आखिरी ओवर डाल रहे महीश तीक्षणा ने फखर जमान (17 रन) और साहिबजादा फरहान (24 रन) को कैच आउट कराया। ओवर की 5वीं बॉल पर वानिंदू हसरंगा ने मिडऑफ पर एक हाथ से कैच पकड़ा। फखर ने तीक्षणा की फुलर बॉल पर जोर से शॉर्ट खेला। गली की दिशा पर खड़े हसरंगा ने अपनी दायीं ओर डाइव लगाई और एक हाथ से कैच पकड़ा। इस कैच की बदौलत अच्छी शुरुआत कर चुके पाकिस्तानी ओपनर पावरप्ले में पवेलियन लौट गए। कैच पकड़ने के बाद हसरंगा ने अपने गर्दन को हिलाते हुए अबरार अहमद का सेलिब्रेशन काफी किया और उन्हें चिढ़ाया। वे यहीं नहीं रुके, अगले ओवर में सईम अयूब को बोल्ड करने के बाद भी अबरार को उसी स्ट्राइम में चिढ़ाया, जैसा अबरार अपना विकेट सेलिब्रेट करते हैं।

कामगारों के 5 बच्चे जर्मनी में लेंगे फुटबॉल की ट्रेनिंग,मां बोली- हमने शहडोल के बाहर कुछ नहीं देखा, बेटा विदेश जाएगा,पीएम कर चुके तारीफ

शहडोल। मध्यप्रदेश के 'मिनी ब्राजील' कहे जाने वाले विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। 2 अक्टूबर को ये सभी भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और वहां से जर्मनी जाएंगे। इनके साथ महिला कोच भी रहेंगी। जो खिलाड़ी सिलेक्ट हुए हैं, उनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। दरअसल, शहडोल जिले के आदिवासी बाहुल्य गांव विचारपुर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिनी ब्राजील नाम दिया है। करीब 800 की आबादी वाले इस गांव में 60 नेशनल फुटबॉल प्लेयर्स हैं। पीएम मोदी ने सबसे पहले रेडियो प्रोग्राम मन की बात में विचारपुर का जिक्र किया था। उसके बाद अमेरिकी पॉड कास्ट होस्ट लेक्स फ्रिडमैन से बातचीत के दौरान भी यहां के खिलाड़ियों के बारे में बताया। पीएम के बार-बार विचारपुर का जिक्र करने के बाद जर्मनी के फुटबॉल कोच डायटमार बेयर्सडॉर्फर ने यहां के 5 बच्चों को प्रशिक्षण देने की इच्छा जताई थी। खिलाड़ियों के सिलेक्ट होने के बाद भास्कर की टीम विचारपुर गांव पहुंची और इन बच्चों के संघर्ष के बारे में जाना। इनके माता-पिता से भी बात की।विचारपुर गांव में न तो फुटबॉल का कोई स्टेडियम है, न ही कोई फुटबॉल सिखाने वाली एकेडमी। यहां के बच्चे गांव के बुजुर्गों को देखकर ही फुटबॉल खेलना सीखे हैं। सीनियर कोच अनिल सिंह रेलवे में नौकरी करते हैं। वे कहते हैं कि जब भी समय मिलता है, बच्चों को निशुल्क ट्रेनिंग देने आता हूं। इसी तरह इस गांव से निकले 10-12 कोच हैं, जो यहां बच्चों को ट्रेनिंग देने आते हैं। मैंने खुद भी पंचायत के इस ग्राउंड में प्रैक्टिस की है। मेरा 3 साल का बेटा भी यहीं खेलता है। वो चौथी पीढ़ी का खिलाड़ी है। अनिल सिंह बताते हैं कि गांव के मुरलीधर कुण्डे और उनके भाई सुरेश कुण्डे ने 80 के दशक में फुटबॉल खेलना शुरू किया था। 23 साल पहले नेशनल गेम्स में खेलना शुरू किया अनिल सिंह ने कहा- उस समय इस ग्राउंड में शाम के 6 बजे के बाद कोई आना पसंद नहीं करता था। ये शराबियों का अड्डा हुआ करता था। गांव तक पहुंचने के लिए सड़कें-लाइट कुछ नहीं था। कुण्डे भाइयों ने युवाओं को फुटबॉल से जोड़ा। सुरेश कुण्डे से लेकर हमारी पीढ़ी तक के खिलाड़ी स्टेट और नेशनल गेम्स के बारे में नहीं जानते थे। हम लोग स्थानीय स्तर पर टूर्नामेंट आयोजित करते थे। एक बार विचारपुर की टीम का मैच दूसरी तहसील में हुआ। वहां के पीटी टीचर रईस अहमद ने देखा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ छोटे बच्चे भी खेल रहे हैं। उन्होंने बच्चों पर ध्यान दिया। उन्हें ट्रेनिंग दी। इसके बाद उन्होंने बच्चों को स्कूलों से जोड़कर स्टेट और नेशनल गेम्स खिलाए। हमारे गांव के खिलाड़ियों ने पहली बार साल 2002 में पहला नेशनल गेम खेला था। आज हालात ये हैं कि बच्चों के अंदर फुटबॉल को लेकर जुनून है। वीरेंद्र का घर विचारपुर के खेल मैदान से करीब 300 मीटर दूर जंगल में

है। भास्कर की टीम जब यहां पहुंची तो वीरेंद्र घर पर नहीं था। मां सुनीता बाई ने कहा- गांव के लड़के फुटबॉल खेलते थे, तो मेरा बेटा भी उनके साथ जाकर खेलने लगा। हम भी उसे भेज देते थे। उसे कभी खेलने से रोका नहीं। हमारे पास इस कच्चे मकान के अलावा कुछ नहीं है। मैं और उसके पिता मजदूरी करते हैं, लेकिन उसे जूते वगैरह की कमी नहीं होने दी। सुनीता से कहा कि उनका बेटा जर्मनी जा रहा है, तो बोलीं- हम शहडोल के आगे नहीं गए। खुश हैं कि बेटा विदेश जाएगा। पिता विजय बैगा ने कहा- बेटा 3-4 बार बाहर खेलने गया है। सब कहते हैं कि वह बहुत अच्छा खेलता है। वीरेंद्र ने कहा- मैं बचपन से ही फुटबॉल खेल रहा हूं। जब 11 साल का था, तब से रेगुलर फुटबॉल खेलना शुरू किया। एक लोकल और एक ओपन नेशनल टूर्नामेंट खेल चुका हूं। मेरे पास पहले जूते नहीं थे, तो बिना जूतों के ही खेलता था। दो साल पहले 2023 में मुझे किट मिली है। अब फुटबॉल शू है। हमारे विचारपुर का ग्राउंड वैसा नहीं, जैसा होना चाहिए। अब जर्मनी जाने का मौका मिल रहा है तो वहां से फुटबॉल की नई तकनीक सीखकर आऊंगा। 11 साल की उम्र से फुटबॉल खेल रहा प्रीतम एक नेशनल और स्टेट मैच खेल चुका है। प्रीतम के पिता विजय कुमार का 6 साल पहले देहांत हो गया था। उसकी पढ़ाई-लिखाई से लेकर फुटबॉल खेलने तक के खर्च चाचा कलेंद्र कुमार उठाते हैं। कलेंद्र कुमार रेलवे के ग्रुप डी के कर्मचारी हैं। कलेंद्र बताते हैं कि प्रीतम की मां बिहार में रहती है। वह बीच- बीच में प्रीतम को देखने, उससे मिलने आ जाती है। सरकारी नौकरी है इसलिए प्रीतम के पालन पोषण में दिक्कतें नहीं हैं। प्रीतम ने कहा कि जर्मनी जाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इससे मेरा मनोबल बढ़ेगा। मैं फुटबॉल में जो भी कुछ कर पा रहा हूं, वो चाचा की बदौलत ही है। चाचा मुझे पूरा सपोर्ट करते हैं। विचारपुर मनीष का ननिहाल है। वह शहडोल में रहता है। पिता बुद्धसेन घसिया गुजरात में मजदूर हैं। मनीष ने बताया- मैं 6 साल से फुटबॉल प्रैक्टिस कर रहा हूं। जब नानी के घर विचारपुर आता था तो सभी को फुटबॉल खेलते देखता था। मेरी रुचि भी बढ़ती गई। मेरी मौसी लक्ष्मी ने बहुत सपोर्ट किया, जो कोच भी हैं। उन्हीं की बदौलत एक स्टेट और नेशनल भी खेल चुका हूं। पिता बुद्धसेन कहते हैं कि मनीष को कभी खेलकूद के लिए मना नहीं किया। हर माता-पिता की इच्छा होती है कि जो वह कर नहीं सके, वो बच्चे करें। फुटबॉल खेलने में जितना खर्च आता है, उसे पूरा करने की कोशिश करता हूं। जर्मनी जाने वालों में सुहानी का भी सिलेक्शन हुआ है। सुहानी का फुटबॉल के प्रति जुनून ऐसा है कि वह रोजाना 100 किमी अप डाउन करती है। दरअसल, पिता राजेश कोल के निधन के बाद मां सुहानी और उसके भाई को लेकर 50 किमी दूर अनूपपुर शिफ्ट हो गई। वह यहां थोक में कपड़े खरीदकर उनका फुटकर व्यवसाय करती है। सुहानी की मां ने बताया- उसके पिता की इच्छा थी कि बेटी आगे बढ़े। वह उसे खूब पढ़ाना-लिखाना चाहते थे। सुहानी हर दिन सुबह 6 बजे घर से निकलती है। शहडोल में स्कूल पूरा करने के बाद शाम 4 बजे फुटबॉल प्रैक्टिस कर शाम को वापस घर लौटती है। सुहानी कहती है कि पहले मेरी फुटबॉल में कोई दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन स्कूल के कोच ने मुझे प्रेरित किया। कुछ दिन की प्रैक्टिस के बाद मुझे लगा कि कुछ अच्छा नहीं होगा। इसके बाद स्कूल की तरफ से मुझे विचारपुर भेजा गया। यहां रईस खान सर की कोचिंग के बाद मेरा इंटरेस्ट बढ़ गया। हमारा मैच हॉस्टल वाली लड़कियों के साथ हुआ और हमारी टीम हार गई। वहीं से मुझे लगा कि हम लोग अच्छा खेलेंगे तो जीत भी सकते हैं। इसके बाद मैंने प्रैक्टिस शुरू कर दी। सानिया के परदादा सुरेश कुण्डे ने विचारपुर में फुटबॉल की शुरुआत की थी। सानिया के पिता उमेश कहते हैं- दादा के बाद पिताजी और उनके भाई भी फुटबॉल खेलने लगे। मुझे याद है कि जब मैं छोटा था, तब पिताजी और बाकी खिलाड़ी कभी खेत में तो कभी किसी खाली मैदान में प्रैक्टिस करते थे। किसी खेत में जुताई हो जाती तो फिर दूसरे खेत में फुटबॉल खेलने लगते। पीढ़ी दर पीढ़ी घर में फुटबॉल का क्रेज बढ़ता गया। हम लोग तो बेरोजगारी के चलते इस खेल में आगे नहीं बढ़ पाए लेकिन ये सपना अपने बच्चों को दे दिया। बेटी के जर्मनी जाने की खबर सुनकर मन में एक सुकून आया है कि जो हम हासिल नहीं कर पाए, वो हमारे बच्चों को हासिल हो रहा है। मैं डीजे साउंड का काम करके बच्चों को पाल-पोस रहा हूं। उन्हें खेल में आगे बढ़ा रहा हूं। सानिया अपनी फुटबॉल जर्नी के बारे में बताती है- पिछले 6 साल से प्रैक्टिस कर रही हूं। जब मैं छोटी थी, तब घर के पीछे एक ग्राउंड पर कुछ भैया लोग फुटबॉल खेलते थे। मैं भी उन्हीं के साथ खेलने लगी। वो मुझे छोटा समझकर भगा देते थे, लेकिन मैं उसके बाद भी हार नहीं मानती थी। कुछ सालों बाद भैया लोगों की शादी हो गई और उन्होंने खेलना बंद कर दिया। मैं प्रैक्टिस के लिए विचारपुर के ग्राउंड जाने लगी। शुरू में चाचा ने मुझे चमड़े के जूते लाकर दिए। मैंने उसी से प्रैक्टिस शुरू की। अभी 2 साल पहले किट मिल गई है। हमारे यहां ग्राउंड की हालत बहुत खराब है। वहां रेत है, गोबर पड़ा रहता है लेकिन हम फिर भी खेलते हैं। अभी भी विचारपुर में ऐसे बच्चे हैं, जो खाली पैर फुटबॉल खेलने को मजबूर हैं। पांच बच्चों के साथ जर्मनी जाने वाली महिला कोच लक्ष्मी साहिस ने 7 नेशनल गेम्स खेले हैं। लक्ष्मी कहती हैं- मैं बड़ा सोचती थी, लेकिन इतना बड़ा कभी नहीं सोचा था कि जर्मनी जाने का मौका मिलेगा। मैं अभी एक्साइटेड हूं। मेरे यहां के बच्चे कुछ नया सीखेंगे। मैं भी सीखूंगी। मैं गांव के पुराने खिलाड़ियों के संघर्ष को नमन करना चाहूंगी। उनकी तपस्या से ही ये सब हो पा रहा है। अभी मैं मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग की तरफ से बच्चों को फुटबॉल की ट्रेनिंग देती हूं।

सर्विस इंडस्ट्री से हैं तो 'लाटे' से पाएं बड़ा मुनाफ़ा!

यह क्या है? हम क्या दुकान खोलकर लाटे कॉफी बेचें? आपके मन में ये सवाल आए होंगे, लेकिन मैं अभी लाटे यानी एलएटीटीई का मतलब नहीं बताऊंगा। मैं यह भी नहीं बताऊंगा कि यह कॉफ़ी ही है या कुछ और। क्या आपकी बेसब्री, नज़रों को आखिरी पैराग्राफ़ पर ले जा रही है कि शायद वहां खजाना मिलेगा? वहां भी जवाब नहीं है। क्योंकि खजाना अक्सर कहीं बीच में छिपा होता है। इसलिए एक-एक वाक्य पढ़कर ही असली मतलब जान पाएंगे। आपको मेरे साथ रायपुर से गोवा और फिर कोच्चि के सफ़र पर चलना होगा। पिछले शुक्रवार मैं एक आमंत्रण पर, 6ई 885 फ़्लाइट से इस रूट पर गया था। फ़्लाइट रायपुर से उड़ी और गोवा आई। हम प्लेन में गोवा से चढ़ने वाले यात्रियों का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद फ़्लाइट कोच्चि जाती। प्लेन में इंतज़ार कर रहे लोगों की सुरक्षा जांच हो रही थी और हाउसकीपिंग स्टाफ, 40 लोगों की मौजूदगी में सफ़ाई कर रहा था। दोनों विभाग के कर्मचारी यात्रियों से बेरुखी से बात कर रहे थे और सभी को असुविधा हो रही थी। हाउसकीपिंग स्टाफ बुरे लहजे में यात्रियों से सीट से बाहर निकलने कह रहे थे, ताकि नीचे सफाई कर सकें। उनका लहजा वैसा ही था, जैसे कभी-कभी हमारी हाउस हेल्प नाराज होकर कह देती है, 'मुझे यहां झाड़ू लगाना है, आप दूसरे कमरे में जाओ।' इससे यात्री नाराज हो गए। उनमें से कुछ तो सो रहे थे और उन्हें उठाया गया।

यात्रियों ने युवा क्रू सदस्यों से शिकायत की, जिनकी उम्र 20-25 वर्ष थी। कई यात्री बोले कि इन बच्चों से क्या होगा? लेकिन उन युवाओं ने 'लाटे' परोसी! क्रू ने बात सुनी। दूसरे विभागों की गलतियों की माफी मांगी। कार्रवाई की। एयरलाइन चुनने के लिए धन्यवाद दिया। सुनिश्चित किया कि ग्राहक संतुष्ट हों। तो यहां एलएटीटीई का मतलब हुआ, एल-लिसन यानी ध्यान से सुनना, ए-अपोलोजाइज़ यानी माफी मांगना, टी-टेक एक्शन यानी कुछ कदम उठाना, टी-थैंक्स यानी ग्राहकों को धन्यवाद देना, ई-एंश्योर सैटिस्फैक्शन यानी ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करना। लंबे समय बाद किसी एयरलाइन कंपनी ने वह किया, जो उनसे उम्मीद होती है। कोई कंपनी सर्विस इंडस्ट्री में अगर यही रवैया अपनाती है तो वह ग्राहकों के मन में सबसे यादगार ब्रांड बन सकती है। मेरा यकीन न हो तो दुनिया की सबसे बड़ी कॉफ़ी कंपनी स्टारबक्स से पूछिए, जो अपने हजारों कर्मचारियों को, ग्राहकों के साथ व्यवहार के नए तरीके सिखा रही है। कंपनी की सेल लगातार 6 तिमाही से गिर रही है। प्रतिस्पर्धी उनके नियमित ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। नए सीईओ ब्रायन निकोल को अहसास हुआ कि ग्राहक बातचीत और माहौल के बजाय तेजी और कीमत को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसलिए ब्रायन ने दो महीने पहले लास वेगस स्पोर्ट्स अरीना में 10,000 स्टोर मैनेजर जुटाकर कहा, 'चलिए मिलकर एक-दूसरे के बीच में आ रही बाधाओं को दूर करें और उन्हें (ग्राहकों) को वापस लाएं।' उन्होंने एक नया मॉडल लॉन्च किया जहां कर्मचारियों को ग्राहक का मूड समझने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि कर्मचारी सही हाव-भाव, लहजा और भाषा चुन पाएं। उनसे कहा गया है, 'एक सेकंड रुकें, नजर मिलाएं, अपना मत या समाधान देने में जल्दबाजी न करें।' अगर बिजनेस में गिरावट दिख रही है तो बदलाव लाने और नई चीजें आजमाने के लिए तैयार रहें। हो सकता है कि ये कुछ ग्राहकों पर काम करे और कुछ पर नहीं, लेकिन 'लाटे' परोसना जारी रखें क्योंकि यह सभी ग्राहकों को पसंद आएगी। फंडा यह है कि अगर ग्राहकों को हमेशा के लिए जीतना है, तो उन्हें रोज़, हर मिनट लाटे परोसते रहें। एन. रघुरामन

अमेरिका में 1960 के दशक जैसी हिंसा के हालात बन रहे

अमेरिका फिलहाल गहरे आत्ममंथन के दौर से गुजर रहा है। यूटा वैली यूनिवर्सिटी में 10 सितंबर को 'मेक अमेरिका ग्रेट

अगेन' (मागा) मूवमेंट की बड़ी शख्सियत चार्ली किर्क की हत्या कर दी गई। किर्क 2016 से राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रशंसक थे। वह भले ही औपचारिक रूप से प्रशासन का हिस्सा नहीं थे, लेकिन ट्रम्प अक्सर उनसे सलाह लेते थे। महज 31 साल के किर्क राजनीतिक रूप से इतने अधिक प्रभावशाली कैसे हो गए? 2012 में, मात्र 18 वर्ष की उम्र में किर्क ने कॉलेज छोड़ कर 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' संगठन बनाया। इसका उद्देश्य अमेरिकी कॉलेजों में कंजर्वेटिव विचारधारा की जमीन तैयार करना था। किर्क का मत था कि अमेरिकी कॉलेज उदारवादी और वामपंथी विचारधारा के गढ़ बन गए थे। प्रोफेसरों द्वारा ब्रेनवॉश किए गए जेन-जी युवा 'वाम-उदारवाद' के दलदल में डूब रहे थे। इसे बदलने के लिए टर्निंग पॉइंट यूएसए ने कॉलेजों में किर्क के भाषण आयोजित किए। यह विचार 'मागा' मूवमेंट के मूल में भी हैं। मसलन, अमेरिका के मौजूदा उपराष्ट्रपति जे.डी. वैन्स ने 2021 में एक भाषण दिया था, जिसका शीर्षक था 'यूनिवर्सिटीज आर द एनिमी'। मागा मूवमेंट के नजरिया था कि कॉलेज और विश्वविद्यालय गैर-अमेरिकी मूल्यों को सिखाने वाली प्रमुख संस्थाएं हैं, जो युवा अमेरिकियों की नैतिकता को भ्रष्ट कर अमेरिका को कमजोर कर रहे हैं। अब मुद्दा यह है कि क्या वैचारिक मतभेदों को हल करने के लिए हिंसा को अनुमति दी जानी चाहिए? लोकतंत्र में मतभेदों को मतदान, कानूनों और अदालतों के जरिए सुलझाया जाता है। हिंसा इसका रास्ता नहीं हो सकता। लेकिन, अमेरिका में हिंसा का सहारा लेना एक हद तक अमेरिकी राजनीति की कुछ खासियतों का ही परिणाम है। अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी की संवैधानिक प्रतिबद्धता इतनी अधिक है कि किसी व्यक्ति या समुदाय के बारे में अत्यधिक भड़काऊ बातें भी कही जा सकती हैं। हो सकता है कि कई समुदायों में ऐसी भाषा प्रतिबंधित हो, लेकिन अमेरिकी संविधान का पहला संशोधन इसे संरक्षित करता है। या यों कहें कि जरूरत महसूस होने पर अमेरिकियों को कठोर और अपमानजनक होने का संवैधानिक अधिकार मिला हुआ है। संविधान में दूसरा संशोधन पूरी दुनिया की तुलना में अमेरिकी लोगों द्वारा बंदूक रखे जाने को कानूनी रूप से अधिक आसान बनाता है। राजनीति और इतिहास के किसी नाजुक मोड़ पर यह दोनों एकसाथ मिल जाएं तो विध्वंसकारी हो सकते हैं। अमेरिकी इतिहास का सबसे हिंसक दौर 1880 से 1910 तक का जिम-क्रो युग था। इसमें अश्वेतों की अधीनता और श्वेतों के वर्चस्व को बढ़ावा देने के लिए भेदभाव, नस्लीय हिंसा और लिंचिंग को जायज माना जाने लगा। लेकिन हिंसा का हालिया दौर उससे अलग है। यह राजनीतिक हिंसा है, जिसमें सत्ता का इस्तेमाल कर रहे लोग निशाने पर हैं- चाहे वह नियुक्ति या निर्वाचन के जरिए हों अथवा आंदोलनों से लाखों लोगों पर अपने प्रभाव के कारण। बीते दस सालों में 6 जनवरी 2021 के यूएस कैपिटल दंगों समेत अमेरिका में विधायिका से जुड़े लोगों पर भीड़ के कई हमले देखे गए हैं। इनमें एक राष्ट्रपति उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश और एक सांसद की हत्या का प्रयास और मिनेसोटा में विधायक की हत्या जैसे मामले शामिल हैं। इन घटनाओं ने 1960 के दशक की याद दिला दी, जब चार प्रमुख अमेरिकी राजनीतिक हस्तियों- राष्ट्रपति जॉन एफ.कैनेडी, उनके भाई रॉबर्ट एफ.कैनेडी, मैल्कम एक्स, और मार्टिन लूथर किंग की हत्या कर दी गई। 1960 का दशक भी ध्रुवीकरण वाले दशक के रूप में जाना जाता था, जब श्वेत समुदाय के कड़े प्रतिकार पर पार पाते हुए अमेरिका ने अश्वेतों को कानूनी और राजनीतिक समानता का दर्जा दिया। लेकिन अधिकांश पर्यवेक्षक मानते हैं कि आज का ध्रुवीकरण उससे ज्यादा गहरा है। राजनीतिक अभिजन इतने विभाजित हैं कि उनमें सामंजस्य बना पाना बेहद कठिन है। किर्क की हत्या पर यूटा के गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने कहा, 'यह अमेरिकी प्रयोग और हमारे आदर्शों पर हमला है। हम हिंसा के बदले हिंसा कर सकते हैं। लेकिन हम अलग रास्ता भी चुन सकते हैं।' कॉक्स जैसा नजरिया अमेरिका को हिंसा के दलदल में डूबने से बचा सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या अमेरिका हल निकालेगा या राजनीतिक विरोधियों को कुचलने की कोशिश करेगा? मुद्दा यह है कि क्या वैचारिक मतभेदों को हल करने के लिए हिंसा को अनुमति दी जानी चाहिए? लोकतंत्र में मतभेदों को मतदान, कानूनों और अदालतों के जरिए सुलझाया जाता है। हिंसा इसका रास्ता नहीं हो सकता। (ये लेखक के अपने विचार हैं।) आशुतोष वार्ष्णेय

अधिनायकवादी रणनीति अपनाने पर आमादा हैं ट्रम्प

वर्ष 2022 में एक शोधपत्र में मैंने एक रूपक बताया था, जिसे मैंने 'इनकार्सरेशन गेम' नाम दिया। यह कहानी बताती है कि

कैसे लोकप्रियता घटने पर अधिनायकवादी नेता अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए दमनकारी हथकंडे अपनाते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि घटते जनसमर्थन से जूझ रहे राष्ट्रपति ट्रम्प ऐसी ही अधिनायकवादी रणनीति अपनाने पर आमादा हैं। सबसे चौंकाने वाला उदाहरण फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे द्वारा ट्रम्प के प्रमुख आलोचकों - फेडरल रिजर्व बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की सदस्य लिसा कुक, डेमोक्रेटिक सीनेटर एडम शिफ और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ मॉर्गेज धोखाधड़ी के आरोप लगाने की कोशिश है। पुल्टे ट्रम्प के बड़े दानदाताओं में से एक हैं और फिलहाल अमेरिकी मोर्गेज उद्योग संभाल रहे हैं। स्वाभाविक तौर पर, अभी अमेरिका में यही बहस है कि क्या ये आरोप सच्चे हैं? लेकिन इससे भी अधिक गंभीर मुद्दा है ट्रम्प प्रशासन की अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सुनियोजित तरीके से आपराधिक सबूत तलाशने की रणनीति। डेमोक्रेट सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन मानती हैं कि 'पुल्टे डोनाल्ड ट्रम्प के संभावित विरोधियों की व्यक्तिगत जानकारी तक पहुंच का उपयोग निजी और राजनीतिक प्रतिशोध के लिए कर रहे हैं।' लोगों को चुन-चुन कर डराने और उनके खिलाफ अभियोजन शुरू करने की रणनीति प्रतिकूल परिणामों का एक सिलसिला शुरु कर सकती है। हंगरी और तुर्की के अनुभव दिखाते हैं कि शुरुआत में संभावित विरोधियों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई जल्द पूरे समाज को अस्थिर कर सकती है। लोकतांत्रिक शासन को कमजोर कर सकती है। 'इनकार्सरेशन गेम' के जरिए मैंने यही दिखाने की कोशिश की कि अधिनायकवाद कैसे इस उम्मीद के साथ खुद को स्थापित करने की कोशिश करता है कि शायद भविष्य में ऐसे परिणामों को रोकने के लिए कोई कानूनी सुरक्षा तंत्र विकसित किया जा सके।यह गेम एक सरल-से विचार पर आधारित है। कल्पना कीजिए किसी देश में एक हजार व्यस्क नागरिक हैं, जो सभी नेता का विरोध करते हैं। इनमें से आधे भी सड़कों पर उतरते हैं तो नेता को सत्ता से हटाया जा सकता है। उन्हें पता है कि वे जेल भेजे जाएंगे, फिर भी वे प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। लेकिन नेता की समस्या यह है कि जेलों में केवल 100 लोगों को ही रखने की जगह है। जब एक हजार लोग प्रदर्शन के लिए तैयार हों और जेल की क्षमता केवल 100 लोगों की हो तो किसी भी व्यक्ति के लिए जेल जाने का जोखिम बहुत कम है। इसी कारण से जेल का डर प्रदर्शन को नहीं रोक पाता। ऐसे हालात में नेता को विरोध दबाने का कोई रास्ता नजर नहीं आता। लेकिन एक शातिर नेता इसका समाधान निकाल सकता है। वह इस भीड़ को सौ–सौ लोगों के 10 समूहों में बांट देता है- जैसे विपक्षी नेता, मीडिया टिप्पणीकार, मजदूर संगठनों के नेता, शिक्षक और अन्य। फिर वह अपने वफादार अधिकारियों को विपक्षी नेताओं के समूह की आपत्तिजनक जानकारी इकट्ठा करने को कहता है। फिर घोषणा करता है कि इस समूह के सदस्य प्रदर्शन करेंगे तो उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। मान लो, इस समूह के 100 से कम लोग प्रदर्शन करते हैं तो वे जेल जाएंगे और अगला समूह निशाने पर आएगा। सारी जेलों के भर जाने तक अगले समूहों के लिए यही सिलसिला जारी रहेगा। इस रणनीति का इस्तेमाल कर नेता सभी एक हजार लोगों को शांत करा सकता है। सभी को पता है कि असहमति जताई तो जेल जाना पड़ेगा, इसलिए विपक्षी नेताओं का समूह चुप रहता है। मीडिया का समूह जानता है कि अगला नंबर उसका है तो वो भी चुप रहता है। जब ये दोनों समूह नहीं बोलते तो बाकी अपने-आप चुप रहते हैं। ये सिलसिला सुनिश्चित करेगा कि कोई भी विरोध या असहमति व्यक्त न करे। लोग अपने रोजमर्रा के कामों में लगे रहेंगे। और देश अधिनायकवाद की ओर बढ़ता जाएगा। आज इसी खतरे से अमेरिका को भी बचना है। कानून सभी के लिए समान होता है। यदि आज कुक को मोर्गेज धोखाधड़ी के लिए सजा मिलती है तो ऐसा अपराध करने वाले अन्य सभी लोगों को भी सजा मिलनी चाहिए। नहीं तो न्याय दमन का औजार बन जाएगा। यदि आज ट्रम्प को कानून के समक्ष समानता के सिद्धान्त को कमजोर करने दिया गया तो चयनात्मक न्याय का विचार पनपेगा, जो लोकतंत्र को खोखला बना देगा।हंगरी और तुर्की के अनुभव दिखाते हैं कि शुरुआत में संभावित विरोधियों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई जल्द पूरे समाज को अस्थिर कर सकती है। लोकतांत्रिक शासन को कमजोर कर सकती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।) कौशिक बसु

'विकसित भारत' का मतलब बेहतर अर्थव्यवस्था के साथ अच्छी सेहत भी है

एक वक्ता ने कहा कि 'प्री-डायबेटिक मरीजों की उल्लेखनीय संख्या के साथ भारत में मधुमेह का जोखिम दुनिया में सर्वाधिक है। देश में कार्डियो-वेस्कुलर बीमारियों का जोखिम भी वैश्विक औसत से अधिक है, क्योंकि डायबिटीज, मोटापा और हाइपरटेंशन जैसे रिस्क फैक्टर की दर बहुत अधिक है। चिंताजनक यह है कि ये बीमारियां अब कम उम्र में ही होने लगी हैं।' उन्होंने बताया कि भारत में हृदय रोग, मृत्यु का प्रमुख कारण है, जो लगभग 27फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार है। हॉल में 500 से अधिक लोग उन्हें ध्यान से सुन रहे थे। लोग उन्हें इसलिए नहीं सुन रहे थे क्योंकि वह बहुत वरिष्ठ थे, बल्कि इसलिए क्योंकि उनके शब्दों में गहरी चिंता झलक रही थी। देश के भविष्य को लेकर वह व्यक्तिगत रूप से चिंतित थे। वह हॉल में मौजूद सभी सहभागियों के लिए एक लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे थे, जो देश के 700 से अधिक जिलों से आए थे। उन्होंने इस वैश्विक मुद्दे को ना केवल स्थानीय तौर पर, बल्कि प्रत्येक परिवार तक के नजरिए से समझाया। उन्होंने कहा कि 'अगर परिवार में एक व्यक्ति अस्वस्थ है, तो परिवार का हर सदस्य परेशान रहता है।' यदि करोड़ों से अधिक लोग दृष्टिहीन, एनेमिक और अंडरवेट हैं तो इतने लोगों के बीमार होने पर हम कैसे शांति से रह सकते हैं?' मैं भी उन्हें ध्यान से सुन रहा था। अपने भाषण के समाप्त करते हुए उन्होंने एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताया कि 'लगभग 23फीसदी भारतीय खुद को शांत रखने के लिए ड्रग्स का उपयोग करते हैं। यह सबसे बड़ी चिंता है।' बगैर कोई नाम लिए उनका इशारा परोक्ष रूप से सिगरेट, शराब और अन्य नशीले पदार्थों की ओर था। केरल के कोच्चि में शनिवार को आयोजित दो दिवसीय आरोग्य भारती प्रतिनिधि सम्मेलन में मैं पहला वक्ता था और किसी ने नहीं बताया कि मुझे कितनी देर बोलना है। विश्वास करें, मैंने अपना भाषण 15 मिनट से भी कम समय में समाप्त कर लिया और बाकी 45 मिनट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी को दिए। क्योंकि मैं जानता था कि वे कितने समर्पित व्यक्ति हैं। हम केरल में थे, जिसने हाल ही में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 5 तक सीमित करने की उपलब्धि हासिल की, जो अमेरिका (5.6) से भी कम है। आईएमआर का अर्थ है प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर एक वर्ष से कम आयु के शिशुओं की मृत्यु की संख्या। पिछले दो दशकों में भारत का आईएमआर लगभग 75 से घटकर 37 रह गया, जो उल्लेखनीय प्रगति है। लेकिन केरल का आईएमआर 12 के आसपास ही बना हुआ था। इसने केरल सरकार को गंभीरता से सोचने पर मजबूर किया कि आखिर ऐसा क्यों है? और आज देखिए, उन्होंने सबसे विकसित देश अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। तो सवाल यह है कि अपने देश को स्वस्थ बनाने के लिए हम क्या कर सकते हैं? सबसे पहले, पूर्वजों से अच्छी सीख लेकर खुद को स्वस्थ बनाएं। इसमें सुबह जल्दी उठना, नियमित प्रार्थना, ताजा पका भोजन करना, मौसमी फल और सब्जियां खाना, कठिन परिश्रम, कुछ परोपकार करना, प्रेम और सकारात्मकता के साथ जीवन जीना और जल्दी सोना शामिल है। हमारी पुरानी पुस्तकों में ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जिन्हें हम आज भी अपना सकते हैं। आधुनिकता और पश्चिमी देश नए आविष्कार और विचार तो देते हैं, लेकिन जैसी डॉ. कृष्ण ने चेतावनी दी कि 'ये अपने नकारात्मक पहलू के बिना नहीं आते।' उनसे सर्वश्रेष्ठ लें, जैसे हमारे पास मोबाइल से लेकर आईपैड तक कई तरीके की स्क्रीनें हैं- लेकिन इनकी लत लगी तो हमें बीमार कर देगी। किताबें और समाचार पत्र आज भी सबसे अच्छे साधन हैं। फंडा यह है कि डॉ. कृष्ण ने कहा कि अगर आप अपने देश को 'आनंदमयी देश' देखना चाहते हैं, तो पहले इसे 'नीरोगी देश' बनाना जरूरी है। आप खुद पर और स्थानीय स्तर पर काम कर इसे 'आरोग्य देश' बनाएं। तभी 'विकसित भारत' हममें से प्रत्येक पर गर्व करेगा। शुभकामनाएं।एन. रघुरामन

नवरात्र के उपवास में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड 'फलाहारी' खाने से कैसे बचें?

नवरात्र के पहले दिन मैं भी उन सैकड़ों भक्तों में शामिल हो गया, जो इन नौ दिनों तक उपवास करते हैं। सोमवार को कामकाज के लिहाज से कठिन दिन के बाद मेरे सहकर्मी बाजार गए और ड्राई-फ्रूट्स समेत कई खाने की कई चीजें ले आए, जिन पर लिखा था- 'फलाहारी, विशेष रूप से नवरात्र उपवास के लिए पैक।' इनमें से अधिकांश चिप्स और मिक्सचर जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड थे, जिनकी शेल्फ लाइफ लंबी थी। मैंने मुस्कुरा कर उनसे कहा कि अगर हम अगले नौ दिन तक ये खाते हैं तो यकीन मानों कि हम पेट को आराम नहीं दे पाएंगे। क्योंकि, इनमें प्रिजर्वेटिव्स के तौर पर नमक और चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है। इससे देवों को तपस्या अर्पित करने का मूल उद्देश्य ही नष्ट हो जाता है। लेकिन, उन्होंने तर्क दिया कि वे 'फलाहारी' खाते हैं। इससे मुझे व्रत की प्राचीन धारणा को लेकर तो नहीं, लेकिन उन स्नैक्स को लेकर गहराई से विचार को मजबूर किया, जो खुद को 'उपवास के लिए उपयुक्त' भोजन कहते हैं। 'फलाहारी' शब्द ने मुझे तमिल शब्द 'पला-आगारम' की याद दिला दी, जिसमें 'पला' का अर्थ है कई और 'आगारम' का अर्थ है भोजन। मैंने देखा है कि मेरे माता-पिता और ग्रैंड पैरेन्ट्स रात के भोजन में हमेशा एक- दो फल और एक गिलास दूध लेते थे। भूखे रह सकने वाले युवाओं को एक डिश दी जाती थी, जैसे दो इडली, डोसा या उपमा- जो उनके अनुसार 'पला-आगारम' होता था। उस समय में इसका उद्देश्य था कि पेट को आधा खाली रख कर भजन व प्रार्थनाओं के साथ ईश्वर को याद किया जाए।हमारे धर्म में 'तपस्या' शब्द का उपयोग बहुत उदारता से किया जाता है। यही कारण है कि हम सिर मुंडवाकर अपने सुंदर बालों को तिरुपति बालाजी को दान करते हैं। मीलों तक पैदल चल कर विभिन्न देवताओं की प्रार्थना करने जाते हैं, जैसे पंढरपुर, महाकालेश्वर। देश के सभी राज्यों में कावड़िए भी अपने भगवान के मंदिर तक पैदल जाते हैं। वे उपवास करते हैं और खुशी-खुशी बगैर चप्पल पहने चलते हैं, जैसे कि यह उनके प्रिय देवी-देवता की स्तुति करने का उनका तरीका है। और वे इसे बलिदान नहीं मानते। जैसे-जैसे हम आधुनिक युग में आए, 'फलाहारी' खाना एक नया चलन बन गया। रात को सोने से पहले एक गिलास दूध में दो चम्मच चीनी डालकर पीना या उपवास के दौरान तपती दोपहरी में कोई अन्य चीनी युक्त पेय पीना सबसे बड़ी समस्या है। वैज्ञानिक प्रमाण बताते हैं कि ये चीनी युक्त पेय हानिकारक हैं। हमें यहीं पर रुक जाना चाहिए। एनर्जी ड्रिंक समेत अन्य चीनी युक्त पेय बार-बार पीने से मोटापे का खतरा बढ़ता है। क्या आपको वाकई लगता है कि असंगठित क्षेत्र के बाजार में 'फलाहारी' के नाम पर बेची जा रही ये तली हुई अन-ब्रांडेड चीजें बढ़िया खाद्य तेल में तली जाती हैं? मुझे तो नहीं लगता। प्रोसेस्ड खाने में अधिकांश ऐसी सामग्री होती है, जो आम आदमी के रसोईघरों में नहीं मिलती। इनमें अक्सर ऐसे एडिटिव्स होते हैं, जो भोजन के फ्लेवर, रंग और टेक्सचर को बढ़ाते हैं। हमने खाद्य विशेषज्ञों को कहते सुना है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में से अधिकतर जंक फूड की श्रेणी में आते हैं। हाल के एक शोध में पाया गया है कि नरम अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड-जैसे पैकेज्ड स्मूदी, नरम ब्रेड को हम तेजी से खाते हैं। वे कहते हैं कि किसी खाने को 30 मिनट में बना पाने के बजाय ढाई घंटे में बनाने के बहुत फायदे हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि रेडी टु ईट स्नैक्स और खाना चुनते समय लेबल जांचें। ऐसे उत्पादों का चयन करें, जो प्रति ग्राम 1.5 कैलोरी से कम की श्रेणी में हो। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड अक्सर कम ऊर्जा देने वाले होते हैं, जिनमें हमारे घर में पके भोजन की तुलना में प्रति ग्राम अधिक कैलोरी होती है। फंडा यह है कि यदि आप अपने पेट को आराम देने, सेहतमंद रखने का इरादा रखते हैं तो उपवास अच्छा है।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

एस-400 की तरह एस-500 की डील भी पक्की! चीन-पाकिस्तान अब क्या करेंगे...

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में रूसी एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ने भारतीय स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश और बराक के साथ जुगलबंदी करके चीन-पाकिस्तान के नापाक हथकंडों को बुरी तरह नाकाम कर दिया था। लेकिन, अब भारत और रूस के बीच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम की डील होने की संभावना बढ़ गई है। रूसी मीडिया एस-500 को एस-400 का ही पुत्र बताती रही है,

लेकिन अगर इनकी क्षमता की तुलना करें तो बेटा, बाप से कहीं ज्यादा कामयाब और अचूक माना जाता है। भारत को पहले रूस से ही इस सौदे का ऑफर मिला था। फिर भारत ने भी इसमें दिलचस्पी दिखाई तो अब रूस ने इस डील पर भी आगे बढ़ने का संकेत दे दिया है। 2026 में एस-400 की डिलीवरी पूरी, फिर एस-500 की डील- न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार रूस अगले साल तक एस-400 (ट्रायंफ) एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी पूरी कर देगा। इसमें रूसी सरकारी न्यूज एजेंसी तास के हवाले से बताया गया है कि '2026 में रूस भारत को पांच एस-400 ट्रायंफ एयर डिफेंस सिस्टम की सप्लाई पूरी कर देगा। अभी तक ऐसे चार सिस्टम भारत को सौंपे जा चुके हैं और अगले साल पांचवीं की भी डिलीवरी हो जाएगी।' 5 अक्टूबर, 2018 को अमेरिकी पाबंदी की धमकियों को नकारते हुए भी दोनों देशों के बीच यह करीब 40,000 करोड़ रुपये की डील हुई थी। माना जा रहा है कि रूस की ओर से यह प्रगति भारत की ओर से उसके इससे भी एडवांस एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम में दिलचस्पी दिखाए जाने के बाद हुई है, ताकि एस-500 पर भी बात तेजी से आगे बढ़ सके। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद रूस की कई मीडिया एजेंसियों ने भारत को एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम बेचने की पैरवी शुरू कर दी थी। इसके पीछे वजह यह थी कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 ने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए थे और इसको लेकर भारत में रूस की दोस्ती की मिसालें दी जा रही थीं। इसी दौरान जब भारत के रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ रूस के विक्टरी डे परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधि बनकर मास्को गए, तो उन्होंने वहां भारतीय समुदायों के बीच एस500 मिसाइल सिस्टम के प्रति भी दिलचस्पी दिखाई थी। अब जब रूस एस-400 को लेकर अपना वादा पूरा करने वाला है तो दोनों देशों के बीच एस-500 पर भी बातचीत आगे बढ़ने की संभावना पैदा हुई है। अगर एस-400 और एस-500 की तुलना करें तो दूसरा पहले से भी कहीं ज्यादा शक्तिशाली दिख रहा है। मसलन, एस-400 की रेंज 400 किलोमीटर है तो इसके एडवांस एस-500 वर्जन की रेंज 600 किलोमीटर तक है। पहला 30 किलोमीटर तक की ऊंचाई वाले दुश्मन के टारगेट को तबाह कर सकता है, तो दूसरा 200 किलोमीटर की ऊंचाई तक उनका नामो निशान मिटा सकता है। सबसे बड़ी बात रेसपॉन्स टाइम की है। एस-400 का रेसपॉन्स टाइम 10 सेकंड से कम है, वहीं एस-500 चार सेकंड से भी कम समय में जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2021 में ही रूस के उप प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनके एस-500 मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम का सबसे पहला ग्राहक भारत हो सकता है। 2024 में इसके साझा उत्पादन तक की चर्चा हो चुकी है। लेकिन, अभी अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में जिस तरह की कड़वाहट भर चुकी है, इस डील पर दोनों देश आगे बढ़े तो डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को बहुत ज्यादा मिर्ची लग सकती है। क्योंकि, 2021 में तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री रूस से एस-400 खरीदने को लेकर भी भारत को काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट के तहत पाबंदियों की धमकी दे चुके थे। हालांकि, अमेरिका तब तो यह नहीं लगा पाया और भारत ने करार के मुताबिक रूस में से चार एस-400 मिसाइल एयर डिफेंस खरीद भी चुका है।

दिल्ली में कॉलेज प्रमुख पर यौन शोषण का आरोप,17 छात्राएं बोलीं- जबरन छूता था, फैकल्टी कहती थी- उसकी बात मानो

नयी दिल्ली। दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के पूर्व चीफ स्वामी चैतन्यानंद

सरस्वती पर 17 स्टूडेंट्स से यौन शोषण के आरोपों का बुधवार को खुलासा हुआ। छात्राएं इंस्टीट्यूट में ईडब्लूएस स्कॉलरशिप के तहत पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट कर रही हैं। चैतन्यानंद पर उनसे गंदी बातें करने, अश्लील मैसेज भेजने और जबरन छूने का आरोप है। चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ ??पार्थ सारथी के खिलाफ 4 अगस्त को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। तब वह इंस्टीट्यूट का प्रमुख था। उसे 9 अगस्त को पद से हटाकर निष्कासित किया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से चैतन्यानंद फरार है। पुलिस को यूपी के आगरा में उसकी लोकेशन मिली है। दिल्ली पुलिस ने शारदा इंस्टीट्यूट के बेसमेंट से चैतन्यानंद की एक वॉल्वो कार जब्त की है। उस पर यूनाइटेड नेशन की नंबर प्लेट लगी थी। आमतौर पर ऐसे नंबर राजनयिकों को जारी किए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि चैतन्यानंद को यह नंबर यूएन से जारी नहीं हुआ था। उसने खुद ही लिखवाया था। दिल्ली स्थित शारदा इंस्टीट्यूट कर्नाटक के श्रृंगेरी स्थित दक्षिणाम्नॉय श्री शारदा पीठ की शाखा है। पीठ ने पूरे मामले पर बयान जारी कर कहा कि स्वामी चैतन्यानंद का आचरण और गतिविधियां अवैध और पीठ के हितों के खिलाफ हैं, इसलिए पीठ का उससे कोई संबंध नहीं है। छात्राएं बोलीं- वार्डन ने उन्हें चैतन्यानंद से मिलवाया था दिल्ली पुलिस के मुताबिक, मठ और उसकी संपत्तियों के एडमिनिस्ट्रेटर पी.ए. मुरली ने चैतन्यानंद के खिलाफ 4 अगस्त को शिकायत की थी। पूछताछ के दौरान 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए गए.इनमें से 17 ने चैतन्यानंद पर यौन शोषण के आरोप लगाए। छात्राओं ने दावा किया कि इंस्टीट्यूट में काम करने वाले कुछ वार्डन ने उन्हें आरोपी से मिलवाया था। पीड़ितों ने बताया कि महिला फैकल्टी और कर्मचारी उनपर आरोपी की बातें मानने का दबाव डालती थीं. पुलिस ने चैतन्यानंद के ठिकानों पर छापेमारी की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 75(2)/79/351(2) के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस दौरान, श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के बेसमेंट में एक वॉल्वो कार खड़ी मिली। पता चला कि फर्जी राजनयिक नंबर प्लेट 39 यूएन 1 वाली कार स्वामी चैतन्यानंद इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस ने कार जब्त कर ली। बता दें कि स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में, उसके खिलाफ दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी में धोखाधड़ी और छेड़छाड़ का एक मामला दर्ज किया गया था। 2016 में, वसंत कुंज में एक महिला ने उसके खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया था। हालांकि, चैतन्यानंद के निजी जीवन से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

महाराष्ट्र के 5 जिलों में बाढ़, 8 लोगों की मौत,बंगाल में 10 की जान गई,मध्यप्रदेश से मानसून की वापसी शुरू

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। 30 से ज्यादा फ्लाइट्स और कई ट्रेनें कैंसिल की गईं। स्कूल-कॉलेजों

में 25 सितंबर तक छुट्टी की गई है। मूसलाधार बारिश से कई दुर्गा पूजा पंडालों और मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचा है।इधर, मध्यप्रदेश से मानसून की वापसी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने बुधवार को नीमच, श्योपुर, मुरैना और भिंड से मानसून के विदा होने की घोषणा कर दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को राज्य में बाढ़ की स्थिति पर बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की लगभग 17 टीमें प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू के कामों में जुटी है। सीएम ने कहा- धाराशिव में एनडीआरएफ की मदद से लोगों को हेलिकॉप्टरों से निकाला गया है। सीएम फडणवीस ने बताया कि उन्होंने किसानों के लिए 2,215 करोड़ रुपए के ऑर्डर जारी किए हैं। इसके अलावा, किसानों को 1,829 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। सीएम ने कहा- हमने किसानों को तत्काल मुआवजा देने का फैसला किया है। अगले 10 दिनों के भीतर किसानों के खातों में धनराशि भेज दी जाएगी। कोलकाता में 22 सितंबर की रात से 23 सितंबर की सुबह तक काफी बारिश हुई।

अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। इनमें लातूर में तीन, बीड में दो और छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़ और धाराशिव में एक-एक लोगों की मौत बिजली गिरने, डूबने और अन्य कारणों से हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि मराठवाड़ा के आठ जिलों में 766 घरों को बाढ़ से नुकसान पहुंचा है। 33,010 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर लगी फसलें खराब हो गईं। बीड और धाराशिव में पांच बांध, कई सड़कें, पुल और स्कूलों को भी नुकसान पहुंचा है। इधर, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और आसपास के जिलों में बारिश से मरने वालों का आंकड़ा 10 पहुंच गया है। इनमें 8 मौतें सिर्फ कोलकाता में हुईं। 10 में से 9 लोगों की मौत करंट लगने से हुई। कोलकाता के कई इलाके लगातार दूसरे दिन जलमग्न हैं। कोलकाता में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक 251.4 मिमी बारिश हुई थी। कोलकाता में 39 साल बाद एक दिन में इतनी ज्यादा बारिश हुई थी। इससे पहले 26 सितंबर 1986 को एक दिन में 259.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। भारी बारिश के चलते पूरा कोलकाता के ज्यादातर इलाकों में

नेपाली टीचर बोली-नशे में थी, सीएम कर्पूरी ने रेप किया,जवाब में अनशन पर बैठे,ओबीसी आरक्षण लाए तो मां की गालियां मिलीं

कहानी जननायक कर्पूरी ठाकुर की

पटना। बात 1977 की है। तारीख 11 अक्टूबर। जगह- पटना के कदमकुआं में जय प्रकाश नारायण का घर। उस रोज जेपी का जन्मदिन था। कई नामचीन नेता जुटे थे। जनता पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर और जनसंघ के नेता नानाजी देशमुख

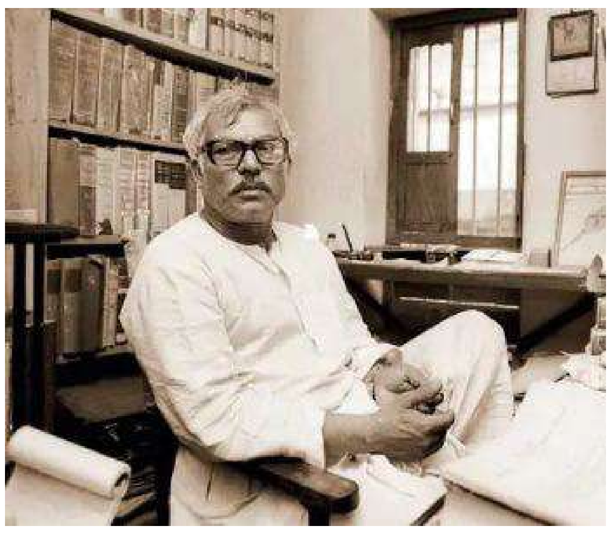

दिल्ली से पहुंचे थे। इसी बीच बिहार के सीएम कर्पूरी ठाकुर भी वहां पहुंचे। फटे कुर्ते, टूटी चप्पल और बिखरे बाल। उन्हें देखते ही किसी ने तंज कसा- 'एक मुख्यमंत्री का तनख्वाह कितना होना चाहिए कि वो अपने लिए ढंग के कपड़े खरीद सके?' यह सुनते ही चंद्रशेखर ने अपने कुर्ते के निचले हिस्से के दोनों किनारों को पकड़ा और फैलाते हुए कहा- 'जो जितना पैसा दे सकता है, इसमें डाल दे।' कुछ ही देर में 150 रुपए इकट्ठे हो गए। चंद्रशेखर ने ये पैसे कर्पूरी ठाकुर को देते हुए कहा- 'अपने लिए भी कुछ सोचा कीजिए। कुछ नए कुर्ते खरीद लीजिए।' कर्पूरी पैसे लेने से हिचक रहे थे। बाद में चंद्रशेखर की जिद के कारण उन्होंने पैसे तो रख लिए, लेकिन कपड़े नहीं खरीदे। बल्कि उन पैसों को मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कर दिया। 24 जनवरी 1924, समस्तीपुर जिले कै पितौंझिया गांव के नाई गोकुल ठाकुर की झोपड़ी में एक बच्चे का जन्म हुआ। कड़ाके की सर्दी पड़ रही थी। गोकुल के पास गर्म कपड़े नहीं थे। उन्होंने बच्चे को उसकी मां रामदुलारी के पास सूखी घास पर लिटा दिया। माता-पिता ने बच्चे का नाम रखा कर्पूरी। एक रोज एक साधु उनकी झोपड़ी में पहुंचे। कर्पूरी के माथे को देखते हुए कहा, 'ये बच्चा बहुत बड़ा आदमी बनेगा।' गोकुल मन ही मन सोचने लगे कि साधु-संत तो ऐसा ही बोलते हैं। नाई का बेटा है तो बाल ही काटेगा। कर्पूरी की 6 बहनें और एक भाई कभी स्कूल नहीं गए, लेकिन एक दिन उन्होंने पिता से स्लेट मांग ली। गोकुल ने पत्थर की स्लेट और चूने के कुछ टुकड़े लाकर तो दे दिए, लेकिन वे यही चाहते थे कि कर्पूरी स्कूल न जाकर नाई का काम करें। कुछ रोज बाद उन्होंने देखा कि कर्पूरी ने अपना नाम लिखना सीख लिया है। इसके बाद उन्होंने कर्पूरी का नाम गांव के स्कूल में लिखवा दिया। जब कर्पूरी 8 साल के हुए ही थे कि उनकी शादी हो गई। सीनियर जर्नलिस्ट संतोष सिंह अपनी किताब 'द जननायक कर्पूरी ठाकुरः वॉयस ऑफ द वॉयसलेस' में लिखते हैं, '1932 में मुजफ्फरपुर की फुलेश्वरी देवी के साथ कर्पूरी का विवाह हुआ। बड़े होने पर उन्हें शादी के बारे में चुनिंदा बातें ही याद थीं। जैसे- उन्होंने पीले रंग का धोती-कुर्ता और उनकी दुल्हन ने लाल रंग की साड़ी पहनी थी। बैलगाड़ियों पर चढ़कर लोग बारात में पहुंचे थे।' तीन साल बाद कर्पूरी का गौना हुआ। फुलेश्वरी और कर्पूरी साथ रहने लगे। इस बीच कर्पूरी का दाखिला ताजपुर के बॉयज मिडिल इंग्लिश स्कूल में हो गया। बाद में वे तिरहुत अकादमी में पढ़ने लगे। 10वीं पास की तो जमींदार बोला- 'अब पैर दबाओ' बात 1940 की है। कर्पूरी मैट्रिक यानी 10वीं कक्षा में थे। स्कूल में 2 रुपए फीस देनी थी, लेकिन पिता गोकुल के पास इतने पैसे नहीं थे। सीनियर जर्नलिस्ट संतोष सिंह लिखते हैं- गोकुल अपने बेटे कर्पूरी को लेकर गांव के बड़े जमींदार बच्चा सिंह के पास गए। उन्होंने बच्चा सिंह से फीस के लिए 2 रुपए मांगे, लेकिन बच्चा सिंह ने शर्त रख दी। कहा कि मेरे नहाने के लिए कर्पूरी कुएं से 27 बाल्टी पानी निकाले। इसके बाद कर्पूरी ने गहरे कुएं से 27 बाल्टी पानी खींचकर निकाला। जब बच्चा सिंह ने उस पानी से नहा लिया, तब जाकर उसने कर्पूरी को 2 रुपए दिए। इस तरह कर्पूरी ने पढ़ाई करते हुए 10वीं की परीक्षा दी। वे फर्स्ट डिवीजन से पास हुए। ये वो दौर था, जब 10वीं पास बच्चे खोजने पर मिलते थे। कर्पूरी अपने परिवार में 10वीं पास करने वाले पहले थे। गदगद पिता गोकुल बेटे कर्पूरी को लेकर उसी जमींदार बच्चा सिंह के पास गए। गोकुल ने हाथ जोड़ते हुए कहा, 'हमरो कर्पूरी मैट्रिक पास होय गेले, मालिक।' बच्चा सिंह ने ठसक के साथ टेबल पर पैर रखते हुए कर्पूरी से कहा, 'अच्छा, अब मेरे पांव दबाओ।' कर्पूरी जमींदार के पांव दबाने लगे। संतोष सिंह लिखते हैं- बाद में कर्पूरी ने इस घटना को

अपने दिमाग से पूरी तरह निकाल दिया। वे इसे नापसंद करते थे। आजादी के लिए क्रांतिकारी बने, नेपाल में अंडरग्राउंड रहकर बंदूक चलाना सीखी पढ़ाई के दौरान कर्पूरी ने रामधारी सिंह दिनकर, शिवपूजन सहाय, गोपाल सिंह नेपाली जैसे लेखकों को पढ़ा। वे कविताएं, भाषण लिखने और सुनाने लगे। फिर साल आया 1942 का। भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हो चुका था। कॉलेज की पढ़ाई छोड़ कर्पूरी आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। 9 अगस्त 1942 को दरभंगा में छात्रों की बैठक हुई। कर्पूरी ने जोरदार भाषण दिया। उसका असर यह हुआ कि लोग सरकारी भवनों पर तिरंगा फहराने लगे। रेल की पटरियां उखाड़ने लगे। अंग्रेज कर्पूरी को खोजने लगे। वे नेपाल में जाकर अंडरग्राउंड आंदोलन से जुड़ गए। यहीं जयप्रकाश नारायण से उनकी मुलाकात हुई। उन्होंने नेपाल के सुरंगा पहाड़ में आजाद दस्ते की ट्रेनिंग ली। यहां बंदूक चलाना और बम बनाना सीखा। यहां जयप्रकाश नारायण की सीख काम आई- 'हमें बदला नहीं बदलाव चाहिए। हमें युद्ध की कला नहीं, क्रांति का विज्ञान सीखना है।' इसके बाद कर्पूरी ने सोशलिस्ट पार्टी जॉइन कर ली। जय प्रकाश नारायण, समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने मिलकर 1934 में ये पार्टी बनाई थी। अक्टूबर 1942 की एक रात 2 बजे पुलिस ने कर्पूरी और उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। एक साल की सजा हुई। बाद में उन्हें भागलपुर जेल भेज दिया गया। 26 महीने बाद नवंबर 1945 में कर्पूरी रिहा हुए। उन्होंने नारा दिया- 'कमाने

वाला खाएगा, लूटने वाला जाएगा, नया जमाना आएगा।' गांव-गांव में यह नारा गूंजने लगा।डिप्टी सीएम बने, 10वीं के बच्चे 'कर्पूरी डिवीजन' से पास होने लगे- आजादी के बाद कर्पूरी गांव के स्कूल में पढ़ाने लगे। पर राजनीति नहीं छोड़ी। 1952 में ताजपुर सीट से उन्होंने पहला चुनाव लड़ा और जीत भी गए। इसके बाद वे कभी चुनाव नहीं हारे। मार्च 1967 में बिहार में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार बनी, जिसमें संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, जनसंघ, जन क्रांति दल और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी जैसे दल थे। जन क्रांति दल के महामाया प्रसाद सिन्हा सीएम बने और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के कर्पूरी ठाकुर डिप्टी

सीएम। कर्पूरी को शिक्षा मंत्रालय भी मिला। 'द जननायक कर्पूरी ठाकुरः वॉयस ऑफ द वॉयसलेस' के मुताबिक, डिप्टी सीएम बनने के 3 महीने बाद कर्पूरी डॉ. राममनोहर लोहिया से मिलने दिल्ली गए। आधे घंटे तक वे इंतजार करते रहे। तभी डॉ. लोहिया के सहायक उर्मिलेश झा ने कर्पूरी से कहा, 'डॉ. साहब की तबीयत खराब है।' दरअसल, दो खास काम पूरे न होने के कारण डॉ. लोहिया नाराज थे। कर्पूरी अपने नेता की नाराजगी भांप गए। वे डॉ. लोहिया से मिले बगैर बिहार लौट आए और काम पर जुट गए। सबसे पहले उन्होंने 10वीं बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता खत्म कर दी। दरअसल, उस वक्त 10वीं में अंग्रेजी के नंबर जोड़े जाते थे, लेकिन गरीब और पिछड़े तबके के बच्चों को अंग्रेजी पढ़ने में मुश्किल होती थी और वे फेल हो जाते थे। डॉ. लोहिया चाहते थे कि 10वीं में अंग्रेजी के नंबर न जोड़े जाएं। कर्पूरी ने इस नियम को खत्म कर दिया। उस दौर में जो बच्चे अंग्रेजी के बिना दसवीं पास करते उन्हें मजाक में लोग 'कर्पूरी डिवीजन' पास कहते थे। इसके बाद बारी थी- डॉ. लोहिया के दूसरे काम की, जिसके लिए कैबिनेट की मंजूरी जरूरी थी। उन्होंने मीटिंग बुलाई और प्रस्ताव रखा, '7 एकड़ से कम जमीन पर खेती करने वाले किसानों का लगान माफ किया जाना चाहिए।' विधायक भांप गए थे कि ये डॉ. लोहिया की इच्छा है। कोई प्रस्ताव का विरोध नहीं कर पाया। इस फैसले से राज्य के छोटे किसानों को काफी फायदा हुआ। विधायक दल के नेता थे रामानंद तिवारी, पर मुख्यमंत्री बन गए कर्पूरी ठाकुरसाल 1969 और महीना दिसंबर का। कांग्रेस ं() के दारोगा प्रसाद राय मुख्यमंत्री थे। तभी बिहार राजपथ परिवहन के एक आदिवासी कंडक्टर को सस्पेंड कर दिया गया। नाराज कंडक्टर ने झारखंड पार्टी के बड़े आदिवासी नेता बागुन सुम्ब्रई से मदद मांगी। सुम्ब्रई ने सीएम दारोगा को मामला बताया, लेकिन बात नहीं बनी। ऐसे में सुम्ब्रई ने सरकार से समर्थन खींच लिया और दारोगा प्रसाद की सरकार गिर गई। अब नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हुई। संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी लामबंदी में जुट गई। भारतीय क्रांति दल, झारखंड पार्टी, स्वतंत्र पार्टी जैसे छोटे दल के विधायक भी जुड़ गए, लेकिन बहुमत का आंकड़ा नहीं जुटा। किताब 'द जननायक कर्पूरी ठाकुरः वॉयस ऑफ द वॉयसलेस' में डॉ. लोहिया के करीबी रहे समाजवादी नेता उमेश प्रसाद सिंह बताते हैं- 'कर्पूरी के सहयोगी प्रणब चटर्जी ने मुझसे कहा कि मैं कर्पूरी से जाकर कहूं कि कांग्रेस (ध) के नेता सत्येंद्र नारायण सिन्हा उनसे तुरंत मिलना चाहते हैं। मैं कर्पूरी से मिलने निकल पड़ा। गांधी मैदान के पास पार्टी के एक नेता के घर पहुंचा। वहां कर्पूरी और रामानंद तिवारी के बीच तीखी बहस हो रही थी। जैसे-तैसे हिम्मत जुटाई और आगे बढ़कर कर्पूरी के कान में फुसफुसा दिया कि सत्येंद्र बाबू मिलना चाहते हैं। दोनों की मुलाकात हुई। कांग्रेस (ओ) ने सरकार को समर्थन करने की हामी भरी। जनसंघ भी साथ आ गया। उस वक्त संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के विधायक दल के नेता रामानंद तिवारी थे, लेकिन ज्यादातर विधायक कर्पूरी को सीएम बनाना चाहते थे। रामानंद ने दावा छोड़ दिया। 22 दिसंबर 1970 को कर्पूरी ठाकुर ने पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं रामानंद को गृह मंत्रालय का जिम्मा मिला। जब देखा कि पिता के पास पैसे नहीं है, तो वृद्धावस्था पेंशन शुरू की - मुख्यमंत्री बनने के बाद कर्पूरी ठाकुर पहली बार अपने गांव पितौंझिया पहुंचे। माता-पिता से मिलने उनकी झोपड़ी में गए। उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मां रामदुलारी ने उन्हें गुड़ खिलाया और 25 पैसे दिए। पिता गोकुल भी कर्पूरी को आशीर्वाद में कुछ पैसे देना चाहते थे, लेकिन उनके पास पैसे नहीं थे। शर्मिंदगी से बचने के लिए वे चुपचाप झोपड़ी से बाहर चले गए। कर्पूरी पिता की बेबसी समझ चुके थे। वे पटना लौटे और वृद्धावस्था पेंशन स्कीम शुरू की। इसके तहत 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को हर महीने 10 रुपए दिए जाने लगे। 7 हफ्ते में 5 बार मंत्रिमंडल बढ़ाया, फिर भी सरकार नहीं बचा पाए- गठबंधन को एकजुट रखने में कर्पूरी को दिक्कतें हो रही थीं। सभी को खुश रखने के लिए उन्होंने 7 हफ्ते में 5 बार मंत्रिमंडल विस्तार किया। मंत्रियों की गिनती 41 हो गई, फिर भी असंतोष कम नहीं हुआ। मई 1947 में विपक्ष में बैठी कांग्रेस (आर) ने कर्पूरी के खिलाफ विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया। कर्पूरी ने अविश्वास प्रस्ताव आने से पहले ही इस्तीफा दे दिया। इस तरह महज 163 दिन बाद 2 जून 1971 को कर्पूरी ठाकुर ने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दी। जेपी और नानाजी देशमुख ने मिलकर कर्पूरी को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनवाया- साल 1977 और महीना जनवरी का। इमरजेंसी के दौरान कांग्रेस (ओ), जनसंघ, भारतीय लोकदल, समाजवादी दल और कई छोटे दलों ने मिलकर जनता पार्टी बनाई। चंद्रशेखर राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। जेपी ने जनता पार्टी बनाने में अहम भूमिका निभाई। जून 1977 में बिहार में विधानसभा चुनाव हुए। नतीजे आए तो जनता पार्टी को 324 में से 214 सीटें मिलीं। अब बारी थी नेता चुनने की। उस वक्त जनता पार्टी में तीन धड़े थे और तीनों ही धड़ों के नेता मुख्यमंत्री पद पर दावा कर रहे थे। जनसंघ से कैलाशपति मिश्र, कांग्रेस (ओ) से सत्येंद्र नारायण सिन्हा और लोकदल से कर्पूरी ठाकुर। जनसंघ के कद्दावर नेता नानाजी देशमुख को विधायक दल के नेता का चुनाव कराने की जिम्मेदारी मिली। नानाजी ने सबसे पहले अपनी पार्टी के कैलाशपति मिश्र की दावेदारी खत्म की। फिर उन्होंने सत्येंद्र नारायण सिन्हा को मनाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। सत्येंद्र नारायण ने 45 राजपूत विधायकों के समर्थन के साथ सीएम बनने का दावा ठोक दिया। आखिरकार विधायक दल का नेता चुनने के लिए वोटिंग शुरू हुई। कर्पूरी को करीब दो-तिहाई वोट मिले। इस तरह 24 जून 1977 को कर्पूरी दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। जब नेपाली महिला ने आरोप लगाया- कर्पूरी ने मेरा रेप किया- जनवरी 1978 में कर्पूरी ठाकुर फुलपरास सीट से उपचुनाव लड़ रहे थे। तभी काठमांडू की रहने वाली टीचर प्रेमलता राय ने कर्पूरी पर रेप केस कर दिया। प्रेमलता ने आरोप लगाया कि जुलाई 1975 में इमरजेंसी के दौरान कर्पूरी काठमांडू में अपने दोस्त प्रो. एसएन वर्मा के घर में छिपे हुए थे। 20 जुलाई को मैं एक शादी से नशे की हालत में प्रो. वर्मा के घर लौटी और वहीं सो गई। तब कर्पूरी ने मेरा रेप किया। बाद में वे मुझसे माफी मांगने लगे। सीनियर जर्नलिस्ट संतोष सिंह लिखते हैं, 'कर्पूरी पर जब रेप के आरोप लगे तो वे गांधी मैदान में अनशन पर बैठ गए। पांच दिन तक वे अनशन पर रहे। इस दौरान उन्हें लोगों का भरपूर समर्थन मिला। आरोप लगाने वाली नेपाली महिला चाहती थी कि विपक्ष इस मुद्दे को उछाले और बदले में उसे एमएलसी का पद मिल जाए।' हालांकि किताब में इस बात का जिक्र नहीं है कि एक नेपाली महिला को बिहार में एमएलसी कैसे बनाया जा सकता है? 7 मई 1980 को पटना डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने इस केस को खारिज करते हुए कहा कि ये आरोप कर्पूरी के खिलाफ राजनीतिक साजिश लग रही है। इसके बाद प्रेमलता ने पटना हाईकोर्ट में केस दायर किया। हालांकि 1981 में उन्होंने केस वापस लेते हुए कहा- राजनीतिक दबाव बनाने के लिए मुझसे कर्पूरी पर झूठे आरोप लगवाए गए थे। आरक्षण का दायरा बढ़ाया, तो लोगों ने गालियां दीं; सरकार गिरी

3 नवंबर 1978, पटना का गांधी मैदान। मंच पर प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर बैठे थे। मोरारजी ने मंच से आरक्षण के खिलाफ कई बातें कहीं, जिस पर भीड़ के एक हिस्से ने जमकर तालियां बजाईं, लेकिन कर्पूरी इससे खुश नहीं थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद कर्पूरी ने मोरारजी को एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए विदा किया। फिर सीधे सचिवालय पहुंचे। रात साढ़े 8 बजे उन्होंने पिछड़ों के लिए आरक्षण की अधिसूचना जारी कर दी। एक हफ्ते

बाद यानी 10 नवंबर को कर्पूरी सरकार ने तीन प्रस्ताव पास किए। पहले में पिछड़ों के लिए 20फीसदी आरक्षण। दूसरे में महिलाओं के लिए 3फीसदी और तीसरे में आर्थिक तौर पर कमजोर ऊंची जाति के लोगों के लिए 3फीसदी आरक्षण दिया गया। इस तरह ओबीसी के लिए आरक्षण लागू करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बन गया।कोटे में कोटा और आरक्षण का दायरा बढ़ाने से अगड़ी-पिछड़ी जातियां भड़क गईं। हिंसक प्रदर्शन हुए। स्कूल-कॉलेज इसकी चपेट में आए। विधायकों और नेताओं ने भी विरोध किया। जनसंघ ने मोर्चा खोल दिया। सीनियर जर्नलिस्ट संतोष सिंह लिखते हैं, 'उस दौरान कर्पूरी ठाकुर के खिलाफ जातिवादी नारे लगे। 'ये आरक्षण कहां से आई, कर्पूरी की माई बियाई (आरक्षण कहां से आया, शायद कर्पूरी की मां के पेट से); कर्पूरी-कर्पूरा, छोड़ गद्दी, पकड़ उस्तरा (कर्पूरी बेहतर होगा कि गद्दी छोड़कर उस्तरा उठा लो)।'अप्रैल 1979 तक कई मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। विधायक भी छिटक गए। प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई से भी कर्पूरी के मतभेद बढ़ गए। 19 अप्रैल 1979 को विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव आया। कर्पूरी को 105 वोट मिले, जबकि उनके खिलाफ 135 वोट पड़े। कर्पूरी की सरकार गिर गई। इससे नाराज बिहार के 18 सांसदों ने जनता पार्टी सरकार से समर्थन वापस ले लिया। जुलाई 1979 में मोरारजी की सरकार गिर गई। बिहार विधान परिषद की मैगजीन 'साक्ष्य' में हरिनारायण ठाकुर लिखते हैं- बेटे के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी पिता गोकुल नाई का काम करते रहे। एक बार जमींदार ने गोकुल को घर बुलवाया। तबीयत खराब होने के चलते उन्होंने जाने से मना कर दिया। इससे जमींदार नाराज हो गया। उसके आदमी गोकुल को जबरन उठा लाए और पिटाई की। जिला प्रशासन को इसका पता चला तो सब सकते में आ गए। पुलिस ने जमींदार को हिरासत में ले लिया और पिटाई कर दी। इधर, कर्पूरी को भी ये बात पता चल गई। उन्होंने समस्तीपुर के डीएम से कहा- 'एफआईआर दर्ज नहीं करना।' डीएम बोले- 'साहबष्ठये सरकार की साख का सवाल है।' कर्पूरी ने कहा, 'आप मुख्यमंत्री के पिता को तो बचा सकते हैं, लेकिन ऐसे हजारों पिताओं को कौन बचाएगा? गाली देना, मारना उनकी पुश्तैनी आदत है और गाली सुनना, मार खाना हमारी आदत। ये धीरे-धीरे ठीक होगी।' ऐसा ही एक वाकया उनके बहनोई के साथ हुआ। एक दिन कर्पूरी के बहनोई उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने नौकरी के लिए सिफारिश करने के लिए कहा। बहनोई की बात सुन कर्पूरी गंभीर हो गए। उन्होंने जेब से 50 रुपए निकाल कर बहनोई की हथेली पर रख दिए और कहा- 'जाइए, एक उस्तरा खरीद लीजिए और अपना पुश्तैनी काम कीजिए।' सीनियर जर्नलिस्ट अनुरंजन झा अपनी किताब 'गांधी मैदानः ब्लफ ऑफ सोशल जस्टिस' में लिखते हैं, 'मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद की बात है। कर्पूरी विधानसभा में विपक्ष के नेता थे। तब वे रिक्शे से या पैदल चलते थे। एक बार उनकी तबीयत खराब हो गई। उन्होंने लालू प्रसाद यादव को संदेशा भिजवाया कि वह अपनी जीप से उन्हें विधानसभा छोड़ दें। उधर से लालू ने जवाब भिजवाया- 'मेरी जीप में तेल नहीं है।' दरअसल, लालू ने सांसद बनने के बाद ही एक पुरानी विल्श जीप खरीद ली थी। अनुरंजन झा लिखते हैं, 'कर्पूरी ही लालू को राजनीति में लाए थे। 1977 में लालू को लोकसभा चुनाव लड़वाया।

दिल्ली की लव-कुश रामलीला से हटाई गईं पूनम पांडेय,बीजेपी-वीएचपी ने किया फैसले का स्वागत

नयी दिल्ली। दिल्ली की मशहूर लव-कुश रामलीला से एक्ट्रेस पूनम पांडेय को हटा दिया गया है। रामलीला में पूनम मंदोदरी का रोल प्ले करने वाली थीं, लेकिन साधु-संतों और विश्व हिंदू परिषद के विरोध के बाद आयोजकों ने अब यह फैसला लिया है। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, लव-कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा कि हिंदू समाज के विरोध को देखते हुए मंदोदरी का रोल किसी और को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूनम पांडेय को इसकी जानकारी दे दी गई है। अर्जुन कुमार ने यह भी कहा-'पूनम पांडेय अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित थीं। उन्होंने भगवान का आशीर्वाद पाने के लिए व्रत भी रखा था, लेकिन हमें उन्हें रामलीला से हटाना पड़ा, यह दुख की बात है।' 'भगवान राम हमेशा दुनिया को एकता और शांति का संदेश देते थे। अगर रामलीला में किसी कलाकार को लेकर लोग बंटने लगेंगे तो रामलीला का असली उद्देश्य और भगवान के जीवन से मिलने वाली सीख खत्म हो जाएगी। हम नहीं चाहते कि रामलीला के नाम पर समाज में बंटवारा हो। इसलिए पूनम पांडेय से अलग होना ही बेहतर है। फिर भी मैं मानता हूं कि हर किसी को बदलने का मौका मिलना चाहिए।' लव-कुश रामलीला समिति के इस फैसले का बीजेपी

ने स्वागत किया है। दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीन शंकर कपूर ने कहा कि जब पूनम पांडेय के मंदोदरी बनने की घोषणा हुई थी, तो साधु संतों और सामाजिक कार्यकर्ताओं में नाराजगी थी। उन्होंने आगे कहा, 'पूनम पांडेय को मंदोदरी की भूमिका से हटाकर समिति ने धार्मिक समुदाय और आम लोगों की भावनाओं का सम्मान किया है।' वहीं, विश्व हिंदू परिषद की दिल्ली इकाई के सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने भी समिति के कदम की सराहना की। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि संगठन किसी कलाकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि ऐसे सार्वजनिक आयोजनों की सांस्कृतिक पवित्रता बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है। दरअसल, लव-कुश रामलीला में मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडेय को मंदोदरी की भूमिका देने पर विवाद बढ़ गया था। लवकुश रामलीला कमेटी के फैसले पर बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद ने आपत्ति जताई थी। दिल्ली बीजेपी मीडिया सेल के प्रमुख और लव-कुश रामलीला कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण शंकर कपूर ने आयोजकों को पत्र लिखकर कहा था कि पूनम पांडेय को हटाकर किसी और कलाकार को मौका दिया जाए। हालांकि, कमेटी ने कहा था कि पूनम पांडेय ही रामलीला में मंदोदरी की भूमिका निभाएंगी। लवकुश रामलीला कमेटी के चेयरमैन अर्जुन कुमार ने कहा था कि मंदोदरी की भूमिका 29 और 30 सितंबर को मंच पर आएगी। 'हम बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन हम इसे गलत नहीं मानते। पूनम पांडेय का अतीत कुछ भी रहा हो लेकिन हमें उम्मीद है कि रामलीला में मंदोदरी का किरदार निभाने से उनका मन बदलेगा।' वहीं, पूनम पांडेय ने सोशल मीडिया पर लवकुश रामलीला कमेटी की ओर से उन्हें मंदोदरी की भूमिका निभाने के लिए आमंत्रित किए जाने पर धन्यवाद दिया था। कुमार ने कहा था कि मंदोदरी एक आदर्श चरित्र है और कोई भी महिला इस रोल को निभा सकती है। हर किसी को मौका मिलना चाहिए। इस बार रामलीला में 500 से ज्यादा कलाकार हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें पूनम पांडेय भी सिर्फ एक कलाकार हैं।वहीं, वीएचपी की दिल्ली इकाई के प्रांत सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने कहा था कि पूनम पांडेय अपनी विवादित छवि और सोशल मीडिया पर अपलोड की गई तस्वीरों और वीडियोज के कारण धार्मिक भूमिका निभाने के लिए सही नहीं हैं।

एक्ट्रेस नफीसा अली को दोबारा कैंसर हुआ

मुंबई।एक्ट्रेस नफीसा अली को एक बार फिर कैंसर ने अपनी चपेट में ले लिया है। एक्ट्रेस को 2018 में पेरिटोनियल कैंसर हुआ था और 2019 में पूरी तरह से ठीक हो चुकी थीं। अब 6 साल के बाद इस जानलेवा बीमारी से वह फिर ग्रसित हो गई है। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की है। पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा है कि कैंसर 4 स्टेज में पहुंच गया है। अब सर्जरी संभव नहीं है। एक्ट्रेस ने बहुत ही इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि जब कैंसर के बारे में उनके बच्चों को पता चला था, तब

उन्होंने उनसे क्या सवाल पूछा था? 'एक दिन मेरे बच्चों ने पूछा, 'तुम्हारे जाने के बाद हम किसकी ओर देखेंगे? मैंने उनसे कहा कि एक-दूसरे की ओर देखना। यही मेरा सबसे बड़ा गिफ्ट है। भाई-बहन एक-दूसरे के साथ प्यार और यादें शेयर करते हैं, एक-दूसरे की रक्षा करते हैं, याद रखना, तुम्हारा बंधन जिंदगी की किसी भी चीज से ज्यादा मजबूत है' एक्ट्रेस ने आगे पोस्ट में लिखा है-'मेरी जर्नी का आज से नया चैप्टर शुरू। मेरा कल पीईटी स्कैन हुआ, फिर से कीमोथैरेपी शुरू होगी, क्योंकि सर्जरी नहीं की जा सकती है। यकीन करो मुझे अपनी जिंदगी से बेहद प्यार है' 18 जनवरी 1957 को मुंबई में जन्मी नफीसा अली ने रविंदर सिंह सोढ़ी से शादी की थी। उनके तीन बच्चे पिया सोढ़ी, अरमान सोढ़ी और अजित सोढ़ी हुए। अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक्ट्रेस ने श्याम बेनेगल के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'जुनून' (1979) से की थी। नफीसा अब तक 'ये जिंदगी का सफर', 'आतंक', 'बिग बी', 'यमला पगला दीवाना', 'लाहौर', 'ऊंचाई', 'बेवफा', 'मेजर साहब' और 'लाइफ इन ए मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

क्या आपको पीरियड्स के समय बुखार आता है,डॉक्टर से जानें क्या है पीरियड फ्लू, किन्हें ज्यादा जोखिम, कैसे करें बचाव

नयी दिल्ली। पीरियड साइकल में काफी असहज अनुभव होता है। खासतौर पर उन महिलाओं के लिए अधिक असहज होता है, जिनका

मेंस्ट्रुअल साइकल अनियमित रहता है। जिन महिलाओं को हर महीने पीरियड फ्लू होता है, उनके लिए यह अनुभव और भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकता है। इसमें हर बार पीरियड्स में फ्लू जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है। पीरियड से पहले गले में खराश, बुखार और शरीर में कमजोरी या फ्लू जैसी स्थिति होती है। पीरियड महिलाओं की जिंदगी में नेचुरल क्रिया है, लेकिन ये कई बार काफी तकलीफदेह होते हैं। इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है कि कितनी महिलाएं पीरियड्स फ्लू का सामना करती हैं। हालांकि, 90फीसदी महिलाओं को प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। लगभग इन सभी महिलाओं को पीरियड्स फ्लू के लक्षणों का सामना भी करना

पड़ता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि पीरियड्स फ्लू क्या है। साथ ही जानेंगे कि- इसके क्या लक्षण हैं? पीरियड्स फ्लू के क्या कारण हैं? इससे कैसे राहत मिल सकती है? पीरियड फ्लू क्या है? इसे मेंस्ट्रुअल फ्लू भी कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जो महिलाओं को उनके पीरियड शुरू होने से पहले, दौरान या बाद में प्रभावित करती है। भले ही यह कोई मेडिकली पुष्टि की गई बीमारी नहीं है, लेकिन यह बहुत सी महिलाओं में देखने को मिलती है। पीरियड के समय शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलावों के कारण हर महिला पर अलग-अलग असर होते हैं। कुछ लोगों को पीरियड से ठीक पहले ही पीएमएस यानी प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। जबकि कुछ को पूरे पीरियड के दौरान तबीयत खराब लगती है। इसमें पीरियड फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा या वजह नहीं है कि कितनी महिलाओं में पीरियड फ्लू के लक्षण दिखते हैं, लेकिन प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम बहुत कॉमन है। लगभग 90फीसदी महिलाओं को जीवन में कभी-न-कभी पीएमएस के साथ ये लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर मामलों में ये लक्षण हल्के होते हैं और कंट्रोल किए जा सकते हैं। पीएमएस के ज्यादा गंभीर रूप को प्री-मेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिसऑर्डर कहा जाता है। यह लगभग 5फीसदी महिलाओं को प्रभावित करता है। डॉ. मितुल के मुताबिक, ये एक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, क्योंकि इससे गंभीर मानसिक तनाव हो सकता है। जिस तरह सामान्य फ्लू के कई कारण हो सकते हैं, वैसे ही पीरियड फ्लू के भी कई कारण होते हैं। इसके सबसे कॉमन कारण ग्राफिक में देखिए। 1. हॉर्मोनल बदलाव-एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव शरीर में सूजन और इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया पैदा कर सकते हैं, जिससे फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं। 2. पोषण की कमी- अगर शरीर में विटामिन डी, आयरन, जिंक या मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो तो थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। 3. तनाव-तनाव इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की चपेट में आ सकता है। 4. संक्रमण-सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण पीरियड के लक्षणों को और खराब कर सकते हैं और पीरियड फ्लू जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। 5. ऑटोइम्यून डिजीज-लूपस और

रुमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी बीमारियों से पीड़ित महिलाओं में इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण शरीर में सूजन हो सकती है। 6. एलर्जी-खाने या किसी और चीज से एलर्जी होने पर भी पीरियड फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इसमें मतली , सिरदर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। 7. एंडोमेट्रिओसिस-इस स्थिति में बच्चेदानी की परत जैसा टिशू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगता है, जिससे भारी और दर्दनाक पीरियड, पेट फूलना और थकावट होती है। 8. एडेनोमायोसिस-इसमें गर्भाशय की परत मांसपेशियों में अंदर तक बढ़ जाती है, जिससे पीरियड के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग और तेज ऐंठन होती है। 9. थायरॉइड की समस्या-हाइपोथाइरॉइडिज्म और हाइपरथाइरॉइडिज्म दोनों से हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है, जिससे पीरियड से पहले बुखार और फ्लू जैसे लक्षण आ सकते हैं। 10. दवाइयां-कुछ दवाइयां, जैसे पेनकिलर या बर्थ कंट्रोल पिल्स गले में खराश, कंपकंपी, मांसपेशियों में दर्द जैसे फ्लू के लक्षण पैदा कर सकती हैं।

कैसे मिलेगी राहत-अगर आपको पीरियड फ्लू हो गया है, तो ऐसे कई आसान उपाय हैं जिनसे आप इसके लक्षणों को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। अगर इन सुझावों पर ध्यान दें तो ये मददगार हो सकता है-पर्याप्त आराम करें: शरीर को ठीक होने के लिए पर्याप्त नींद और आराम दें। इससे थकान कम होगी और शरीर संक्रमण से लड़ पाएगा। पर्याप्त पानी पिएं: खूब सारा पानी और हर्बल चाय जैसी तरल चीजें पिएं। इससे सिरदर्द, पेट फूलना और कमजोरी जैसे लक्षण कम हो सकते हैं। गर्म सिंकाई करें: पेट के निचले हिस्से या कमर पर गर्म पानी की बोतल या हीट पैड रखने से ऐंठन और मांसपेशियों के दर्द में राहत मिलती है। दवाई लेंः इबुप्रोफेन या पेरासिटामोल जैसी ओवर-द-काउंटर दवाएं दर्द और बुखार को कम करने में मदद कर सकती हैं। ट्रिगर से बचेंः कैफीन, तीखा खाना और शराब जैसी चीजें पीरियड फ्लू, बदहजमी और माइग्रेन को बढ़ा सकती हैं। इनसे दूर रहना बेहतर है। हल्की एक्सरसाइज करेंः अगर शरीर साथ दे तो हल्की सैर या योग करें। इससे न सिर्फ शारीरिक लक्षणों में राहत मिलती है, बल्कि तनाव और बेचैनी भी कम होती है। गले के लिए गरारे करेंः अगर पीरियड से पहले गले में खराश हो रही है, तो नमक के पानी से गरारे करें लें, खासकर रात में जब दर्द ज्यादा महसूस होता है। गर्म कपड़े पहनेंः अगर आपको पीरियड के दौरान बुखार या ठंड लग रही हो, तो खुद को गर्म रखें और परतों में कपड़े पहनें। ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करेंः अगर आपका गला सूख रहा है या जलन हो रही है, तो कमरे में ह्यूमिडिफायर लगाएं। इससे हवा में नमी बनी रहेगी और राहत मिलेगी।

हसबैंड निजी बातें अपनी बहन को बताता हैःमुझे चाहिए प्राइवेसी, क्या मैं ओवरथिंक कर रही या हमारी शादी खतरे में है

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा और उनसे समझेंगे उपाय सवाल जवाब के माध्यम से। सवालः मैं 30 साल की हूं। मेरी शादी हुए लगभग 4 साल हो चुके हैं। मेरी ससुराल इंदौर में है, मैं होम मेकर हूं। हमारे रिश्ते में सबकुछ ठीक है, लेकिन मेरे पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं। यहां तक कि कई बार वे हमारी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मुझे यह सब बहुत अजीब लगा। उसके बाद से मुझे ऐसा महसूस होता है कि जैसे हमारे रिश्ते में कोई प्राइवेसी ही नहीं बची है। जब मैं अपने पति से इस बारे में कोई सवाल करती हूं तो वो कहते हैं कि वो मेरी बहन ही तो है, उससे सब शेयर करना कोई गलत बात नहीं है। अब मैं परेशान हूं कि क्या मैं ओवरथिंक कर रही हूं या वाकई ये मेरी मैरिड लाइफ के लिए खतरा हो सकता है? मुझे अपने रिलेशनशिप को बचाने के लिए क्या करना चाहिए? क्या मुझे किसी काउंसलर की हेल्प लेनी चाहिए? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप जो महसूस कर

रही हैं, वो बिल्कुल सही है। शादी के चार साल बाद भी रिश्ते में प्राइवेसी का मुद्दा उठना कोई छोटी बात नहीं है। आपने बताया कि आपके पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं, यहां तक कि पर्सनल बातें भी। इससे आपको लगता है कि रिश्ते की गोपनीयता खत्म हो गई है। और जब आप विरोध करती हैं, तो वो कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सुनकर आपको लग रहा होगा कि शायद आप ज्यादा सोच रही हैं, लेकिन नहीं, ये एक असली समस्या है। मैंने ऐसे कई कपल्स को देखा है जहां फैमिली में ज्यादा शेयरिंग से रिश्ता कमजोर पड़ जाता है। इसे धीरे-धीरे समझते हैं और देखते हैं कि क्या करना चाहिए। सबसे पहले, खुद को दोष मत दीजिए। शादी एक ऐसा रिश्ता है जहां दो लोग एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं। यहां प्राइवेसी का मतलब है कि कुछ बातें सिर्फ आप दोनों के बीच रहें। जब कोई तीसरा इंसान, चाहे वो बहन ही क्यों न हो, उन बातों में शामिल हो जाता है, तो रिश्ते की नींव हिल सकती है। आप ओवरथिंक नहीं कर रही हैं; ये आपका हक है कि आप अपने रिश्ते की प्रोटेक्शन चाहें। बहुत सी महिलाएं ऐसी स्थिति में खुद को अकेला महसूस करती हैं, क्योंकि समाज हमें सिखाता है कि फैमिली को खुश रखना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन याद रखिए, आपकी मैरिड लाइफ आपकी है, और उसमें बाउंड्रीज जरूरी हैं। चलिए, इसे एक सिंपल उदाहरण से समझते हैं। सोचिए, आपका घर एक गार्डन है। उसमें फूल खिलाने के लिए आप दोनों मिलकर पानी देते हैं, देखभाल करते हैं। लेकिन अगर हर कोई बाहर से आकर उसमें हाथ डाले, तो वो गार्डन कैसा रहेगा? ठीक वैसे ही, रिश्ते में प्राइवेसी वो बाड़ा है जो बाहर की हवा से बचाता है। जब पति अपनी बहन से सब शेयर करते हैं, तो वो बाड़ा टूट जाता है। इससे ट्रस्ट कम होता है, क्योंकि आपको लगता है कि आपकी बातें सुरक्षित नहीं हैं। रिसर्च बताती है कि कपल्स जो प्राइवेसी बनाए रखते हैं, उनके रिश्ते ज्यादा मजबूत होते हैं। लेकिन अगर शेयरिंग ज्यादा हो जाए, तो मिसअंडरस्टेंडिंग बढ़ सकती है, और कभी-कभी फैमिली में दखलअंदाजी शुरू हो जाती है। आपके पति कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सही है कि फैमिली से कुछ बातें शेयर की जा सकती हैं, जैसे खुशी के मोमेंट्स या जनरल एडवाइज। लेकिन पर्सनल बातें, जैसे इंटिमेट डिटेल्स, फाइनेंशियल इश्यूज या झगड़े, वो बाहर नहीं जानी चाहिए। ये ओवर शेयरिंग है, जो रिश्ते को कमजोर करती है। उदाहरण के लिए, अगर आपका पति आपकी कोई कमजोरी बहन से शेयर कर दे, तो वो अनजाने में आप पर असर डाल सकती है। या अगर कोई फैमिली प्रॉब्लम है, तो बाहर शेयर करने से वो और बड़ा बन जाता है। ये न सिर्फ आपके लिए, बल्कि उनके लिए भी खतरा है, क्योंकि इससे रिश्ते में असुरक्षा आ जाती है। क्या ये रिश्ते के लिए खतरा है? हां, बिल्कुल। अगर ये आदत जारी रही, तो आपकी मैरिड लाइफ में कई प्रॉब्लम्स आ सकती हैं। सबसे पहले, आप दोनों के बीच कम्युनिकेशन कम हो सकता है, क्योंकि आपको डर लगेगा कि बात बाहर जाएगी। दूसरा, बहन की एडवाइज से आपके फैसले प्रभावित हो सकते हैं, जो रिश्ते की बैलेंस बिगाड़ देगा। तीसरा, लंबे समय में ये रिसेंटमेंट पैदा कर सकता है-आप पति से नाराज रहेंगी, और वो समझ नहीं पाएंगे। मैंने क्लिनिक में ऐसे केस देखे हैं जहां ओवर शेयरिंग से डिवोर्स तक बात पहुंच गई। लेकिन अच्छी बात ये है कि इसे ठीक किया जा सकता है, अगर दोनों मिलकर कोशिश करें। कपल को रिलेशनशिप से बाहर ये बातें शेयर नहीं करनी चाहिए-कपल्स को कभी भी अपने रिलेशनशिप से बाहर प्राइवेट बातें नहीं शेयर करनी चाहिए। ग्राफिक में दी ये लिस्ट रिश्ते की प्राइवेसी बनाए रखने के लिए जरूरी है। अब इन बातों को थोड़ा विस्तार से समझते हैं-पहली बात, सेक्स लाइफ की इंटीमेट डिटेल्सः ये सबसे पर्सनल मोमेंट्स हैं, इन्हें शेयर करने से रिश्ते की पवित्रता टूटती है और ट्रस्ट कम होता है। दूसरी, पार्टनर की कमजोरियांः इन्हें बाहर बताने से दूसरे लोग आपके पार्टनर का सम्मान कम कर सकते हैं और कभी ये उनके खिलाफ इस्तेमाल हो सकती हैं। तीसरी, फाइनेंशियल डिटेल्सः पैसे की दिक्कतें या कमाई शेयर करने से अनचाहा एडवाइज, दया या गलतफहमी हो सकती है।चौथी, फैमिली सीक्रेट्सः संवेदनशील पास्ट या ट्रॉमा बाहर जाने से असुरक्षा बढ़ती है। पांचवीं, रिलेशनशिप प्रॉब्लम्सः झगड़ों को बाहर वेंट करने से दूसरे लोग बायस्ड हो जाते हैं और प्रॉब्लम बड़ी हो जाती है। छठी, पास्ट ट्रॉमाजः ये गहरी बातें शेयर करने से पार्टनर असुरक्षित फील कर सकता है। सातवीं, पर्सनल गोल्सः इन्हें जल्दी शेयर करने से मोटिवेशन कम हो सकता है। आठवीं, फैमिली मैटर्सः घर की बातें बाहर न जाएं, वरना सीक्रेट्स लीक हो सकते हैं। नौवीं, रोमांटिक जेस्चर्सः गिफ्ट्स या स्पेशल मोमेंट्स की डिटेल्स शेयर करने से उनका महत्व कम हो जाता है। दसवीं, पास्ट रिलेशनशिप्सः पुरानी बातें लाने से खटास आ सकती है। अब क्या करें? सबसे पहले, अपने पति से खुलकर बात करें। लेकिन ये सारी बातें गुस्से में नहीं, बल्कि शांति से करें। उन्हें बताएं कि आप उनकी बहन से प्यार करती हैं, लेकिन कुछ बातें सिर्फ आप दोनों की हैं। उन्हें कहें कि मुझे लगता है कि हमारी प्राइवेसी जरूरी है, ताकि हमारा रिश्ता मजबूत रहे। अगर वो समझें, तो अच्छा है। लेकिन अगर न मानें, तो बाउंड्री सेट करें। उन्हें बताएं कि पर्सनल बातें शेयर न करें, वो सिर्फ हमारी बातें हैं। बहन से दूरी नहीं, बैलेंस बनाना जरूरी-उन्हें ये समझाएं कि बहन से रिश्ता नहीं तोड़ना है। बस बैलेंस बनाना जरूरी है। पति को समझाएं कि फैमिली इंपॉर्टेंट है, लेकिन मैरिज अलग है। अगर वो न बदलें, तो फैमिली काउंसलिंग लें। ये मदद करेगी। याद रखिए, रिश्ता दो लोगों का है, और प्राइवेसी उसकी सेफ्टी है। खुद को सशक्त बनाएं-आखिर में, खुद पर फोकस करें। अपनी फीलिंग्स को वैलिडेट करें और अगर जरूरी हो तो दोस्तों से बात करें, लेकिन पर्सनल डिटेल्स न शेयर करें। आप एक हेल्दी रिश्ते की हकदार हैं, जहां ट्रस्ट और प्राइवेसी हो। अगर कोशिश से बात बने, तो अच्छा। वर्ना, अपनी खुशी को प्राथमिकता दें। आप अकेली नहीं हैं, कई महिलाएं इससे गुजरती हैं और बाहर निकलती हैं। हिम्मत रखिए, सब ठीक होगा।

बॉयफ्रेंड इंस्टा पर लड़कियों से चैट करता हैःमुझे ईर्ष्या होती है, क्या ये रेड फ्लैग है या मेरी इनसिक्योरिटी

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ - सवालः मैं 27 साल की हूं। दिल्ली में अपने बॉयफ्रेंड के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में हूं। हम 2 साल से साथ हैं। दोनों कॉर्पोरेट ऑफिस में जॉब करते हैं। वह पिछले कुछ महीनों से सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा एक्टिव है। वह अक्सर कुछ लड़कियों की पोस्ट पर कमेंट करता है, उनके साथ चैट करता है और देर रात तक ऑनलाइन रहता है। जब भी मैं उससे इस बारे में पूछती हूं तो कहता है कि यह सिर्फ फ्रेंडली बातचीत है। वह फ्लर्टी कमेंट्स वाली बातें भी टाल देता है। कई बार मुझे ऐसा लगता है कि जैसे वो मुझसे फोन छिपाकर चैट करने कोशिश कर रहा है। हम दोनों के पासवर्ड एक-दूसरे को पता थे। पर हम कभी एक दूसरे को चेक नहीं करते थे। इनसिक्योरिटी होने पर मैंने उसकी इंस्टा आईडी लॉगइन की तो पता चला कि पासवर्ड चेंज हो गया है। अब मुझे जलन और असुरक्षा महसूस हो रही है। क्या यह मेरी ओवरथिंकिंग है या उसका बिहेवियर सचमुच अलार्मिंग है? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वो बिल्कुल नॉर्मल है। आपकी उम्र में रिश्ते में ये उलझनें आना आम बात है, खासकर जब सोशल मीडिया जैसी चीजें बीच में आ जाती हैं। आपने अपने बॉयफ्रेंड की ऑनलाइन एक्टिविटी पर सवाल उठाया और उसने इसे फ्रेंडली कहकर टाल दिया। लेकिन आपकी जलन और असुरक्षा को सिर्फ आपकी समस्या कहकर खारिज नहीं किया जा सकता है। स्टेटिस्टा के आंकड़ों के मुताबिक, पार्टनर की सोशल मीडिया एक्टिविटी से 23फीसदी लोग अपने रिश्ते में जलन या

अनिश्चितता महसूस करते हैं। चलिए आपकी समस्या को स्टेप-बाय-स्टेप समझते हैं। सोशल मीडिया रिश्तों को कैसे प्रभावित करता है? सोशल मीडिया ने हमारी जिंदगी को कनेक्टेड तो बनाया है, लेकिन रिश्तों में जलन और मिसअंडरस्टेंडिंग भी बढ़ा दी है। इंस्टाग्राम, फेसबुक या ट्विटर पर हर कोई अपनी परफेक्ट लाइफ दिखाता है और ये देखकर पार्टनर्स के बीच तुलना शुरू हो जाती है। आपका बॉयफ्रेंड अगर लड़कियों की पोस्ट पर कमेंट करता है या देर रात तक चैट करता है, तो ये सिर्फ फ्रेंडली तो नहीं लगता है। सोशल मीडिया के इस्तेमाल से रोमांटिक रिलेशनशिप्स में संदेह और जलन बढ़ती है, खासकर जब पार्टनर ऑनलाइन फ्लर्टिंग जैसी चीजें करता है। ये जलन रिश्ते को धीरे-धीरे खोखला कर सकती है, क्योंकि इससे आपसी भरोसा कम होता है। अगर आपकी फीलिंग्स को इग्नोर किया जा रहा है, तो ये बराबरी का रिश्ता नहीं है। ये आपकी इनसिक्योरिटी है या रेड फ्लैग है?बहुत बार लड़कियों की फीलिंग्स को जलन या इनसिक्योरिटी कहकर हल्का कर दिया जाता है, लेकिन हकीकत ये है कि रिश्ते में दोनों को बराबर सम्मान मिलना चाहिए। अगर आपका बॉयफ्रेंड देर रात लड़कियों से चैट करता है, उनके पोस्ट पर फ्लर्टी कमेंट्स करता है या पूछने पर डिफेंसिव हो जाता है, तो ये अलार्मिंग साइन हो सकते हैं। फोन छुपाना, एक्स की पोस्ट्स पर इंटरेक्शन या सोशल मीडिया पर सिंगल जैसा बिहेवियर रेड फ्लैग है। ये फ्रेंडली नहीं है, बल्कि ट्रस्ट ब्रेक करने वाला काम हो सकता है। आपकी इनसिक्योरिटी की बात करें तो वो आपके पास्ट लाइफ एक्सपीरियंस से आ सकती है, लेकिन यहां उसका रवैया इसे ट्रिगर कर रहा है। अक्सर रिश्तों में पुरुषों की आजादी को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन रिश्ता बराबरी का होना चाहिए, जहां दोनों की भावनाएं मायने रखती हैं। रिश्ते की बराबरी का मतलब दोनों को बराबर आजादी मिले रिश्तों में बराबरी का मतलब है कि महिला की भावनाओं को भी उतना ही महत्व मिले, उतनी ही आजादी मिले, जो पुरुषों को सालों से मिली हुई है। सोशल मीडिया पर महिलाओं को अक्सर इनसिक्योर फील कराया जाता है, क्योंकि समाज महिलाओं से उम्मीद करता है कि वो समझदार बनें और चुप रहें। लेकिन ये गलत है। अगर आपको असुरक्षा महसूस हो रही है, तो ये रिश्ते के असंतुलन का संकेत है, न कि ये कोई आपकी कमी है। रिश्ते में दोनों की फीलिंग्स को सम्मान मिलना चाहिए। अगर वो आपकी इनसिक्योरिटी को इग्नोर करता है, तो ये पावर इम्बैलेंस है। आपका हक है कि बिना गिल्ट फील किए आप अपनी चिंता जताएं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।